



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 25, 1978 (फाल्गुन 6, 1899)

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 25, 1978 (PHALGUNA 6, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महान्तेलापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विकास और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं.ग. 12019/1/78-प्रशा.०।।—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा न्यायी वैयक्तिक महायक (के० स० स्टे० से० का० ग्रेड ग) तथा न्यायालय वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्टे० मे० का० ग्रेड ख) श्री एम० एल० खण्डूरी को 10 जनवरी, 1978 से 28 फरवरी, 1978 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष महायक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष महायक के मर्वां वाल्य पद पर श्री एम० एल० खण्डूरी प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन न मव्य मस्य पर संशोधित वित मवालय के का० ज्ञा० स० एफ० 10 (24) ई III/60 क्लाक ।। मर्ट, 1961 से अन्वित उपश्वेतों के अनुमार विनियमित होगा।

दिनांक 28 जनवरी 1978

सं.ग. 11013/2/7।-प्रशा.०।।—पंथ लोक सेवा आयोग की समस्या अधिसूचना दिनांक 28-12-1977 के अनुक्रम में मिथि, संघ लोक सेवा आयोग गतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग

1-476 GI/77

मेरे केन्द्रीय मित्रान्य भेदा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/महायकों को आयोग के कार्यालय में 1-2-1978 से दो माह की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।—

क्रम सं.	नाम	के० स० मे० से धारित पद
1.	श्री बी० एम० जगोपोता	अनुभाग अधिकारी
2.	श्री आर० एन० खराना	अनुभाग अधिकारी
3.	श्री गग० श्रीनिवासन	अनुभाग अधिकारी
4.	श्री जे० पी० गोप्यल	अनुभाग अधिकारी
5.	श्री एम० के० ग्रेडा	महायक
6.	श्री जी० बी० माथूर	महायक

उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन न मव्य मस्य पर मण्डित वित मवालय के का०

ज्ञा० सं० एफ० 1024 -ई०III / 60 दिनांक 4-5-1961  
मे० निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० न०० मुख्यर्जी  
श्रवर सचिव  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III —संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय देवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एम० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 26-12-77 से 10-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 जनवरी, 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III (1) —इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्र० III दिनांक 2-11-77 के अनुक्रम मे०, संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय सेवा वर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० ए० म० सबरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 18-2-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III (2) —इस कार्यालय की अधिसूचना स० ए० 32014/1/77-प्र० III दिनांक 31-12-77 के अनुक्रम मे०, संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 30-12-77 से 31-1-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III (3) —संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय देवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० ज० शर्मी को, राष्ट्रपति द्वारा 2-1-78 से 18-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III (4) —संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय देवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० क० मामो को, राष्ट्रपति द्वारा 2-1-78 से 18-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०III (5) —संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय देवा संवर्ग के स्थायी

महायक श्री आर० दयान को, राष्ट्रपति द्वारा 6-1-78 से 20-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे० स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० ए० 38014/5/76-प्रश्ना०III —संघ लोक सेवा आयोग मे० केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बी० बी० दास सर्मा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञापन स० 33/12/73-स्था०(क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से वार्डक्य निवृत्ति आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा मे० निवृत्ति की महंग अनुमति प्रदान की गई है।

प्रभात नाथ मुख्यर्जी  
श्रवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० पी० एफ०/एल०-1/70-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री लोकेन्द्र मिह, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० य०-III शाखा को दिनांक 3-1-1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रोत्स्थिति पर तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19015/1/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एच० मी० पतो, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय को दिनांक 23-12-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) की कलकत्ता शाखा मे० अस्थायी रूप से स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप मे० नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/1/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान पुलिस विभाग के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री डी० आर० चवन को दिनांक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना मे० अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/5/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, आन्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय

अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एन० श्रीराम को दिनाक 21-1-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० ए-19036/2/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा गरजस्थान पुलिस विभाग के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री सुगत मिहू गोगावत को दिनाक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

स० ए-19036/4/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एम० राय को दिनाक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० के० हुई,  
प्रशासन अधिकारी (स्थान)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनाक 2 फरवरी 1978

स० ओ० दो० 115/70-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री बी० य० प्रचापा, सहायक कमांडेन्ट, 32 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फार्स का त्याग पत्र दिनाक 6-1-78 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

स० पी० 7-9/76-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों, जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी० कम्पनी कमान्डर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड I (महायक कमान्डेन्ट) के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

इन अधिकारियों के पद स्थापन और उनके पद छोड़ने तथा पद ग्रहण करने की तिथिया उनके नामों के सामने दी गई हैं—

क्रम सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिस का कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका पद ग्रहण करने का कार्यभार मम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	डाक्टर मृत्यु नारायण पटनायक	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर दुर्गपुर	10-12-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर नामच	24-12-77 पूर्वाह्न
2	श्री शार० के० मोहन्ती	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 24 बटालियन	5-12-77 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर नामच	10-12-77 पूर्वाह्न
3	श्री जी० सी० माहन्ती	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर गोहाटी	28-11-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर दम्फाल	6-12-77 पूर्वाह्न
4	श्री पू० सी० बिमबाल	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 29 बटालियन	6-12-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II बेस हास्पीटल 2	7-12-77 पूर्वाह्न
5	डाक्टर के० के० मैनी	जी० डी० ओ० ग्रेड-II बेस हास्पीटल-I नई दिल्ली ।	12-11-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II बेस हास्पीटल-I	21-11-77 अपराह्न
6	श्री एम० एन० जयप्रकाश	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 13 बटालियन ।	24-11-77 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेन्टर-I अजमेर ।	24-11-77 अपराह्न

दिनाक 4 फरवरी 1978

स० आ० II-1038/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती उषा जैन को, 4-1-1978 के पूर्वाह्न तौन माह के लिये, अत्रवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने । उसे जा जी पहल हो उग तारोग तक, केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

स० ओ० दो० 32/78-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री प० दादाभाई, गुजरात सर्वं के भारतीय पुलिस मेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस दल मे उनका प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री दादाभाई ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप महानिरीक्षक, नई दिल्ली के पद का कार्यभार 16-1-78 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० श्रो० दो० 1020/72-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री एम० प०० गुलाटी, उप-पुलिस अधीक्षक, 42वी वाहनी, के० ए० प०० पु० दल का त्याग पत्र 20-1-78 (अपग्रह) से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० श्रो०-II 1080/78-प्रशा०—राष्ट्रपति, डाक्टर अशोक कुमार जैन को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल मे जी० छी० श्रो० ग्रेड-II (छी० एस० पी०/ कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 25-1-78 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० श्रो०-II-147/76-स्था०—श्री पी० एन० मेहरा (अवकाश प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की अधिकारी समाप्ति पर सहायक कमान्डेन्ट महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार दिनांक 27-12-77 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,  
महायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय शौचोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 3 फरवरी 1978

स० ई-16013(1) 1/77-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर, श्री मारकडेय सिह भारतीय पुलिस सेवा संघ शासित क्षेत्र-5-6ने 16 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक पूर्वी क्षेत्र के० औ० सु० ब० कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ली० सी० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1978

म० 10/13/76—प्रशा० I—राष्ट्रपति, सभ लोक सेवा प्रयोग की सिफारिश पर श्री रामसिंह को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद नियमित रूप मे, अस्थायी तौर पर जनगणना परिचालन, कन्ट्रिक्ट (बगलीर) मे दिनांक 27 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1978

गं० 25/19/73-ग० १० १० (प्रशा० I) २०८८पति, नई दिल्ली मे भारत के महापंजीयार के कार्यालय मे विणेप कार्य-अधिकारी

(अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर कार्यरत श्री एन० जी० नाग को नारीख 28 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न मे १ महीने की अवधि के लिए या प्रगले आदेशो तक, इनमे जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय मे पूर्णत अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक महापंजीयार (मामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री नाग ने उसी दिन विशेष कार्य-अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर कार्यभार भी छोड़ा।

प०० पदमनाभ,  
भारत के महापंजीयार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1978

स० 11/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 21 नवम्बर, 1977 की अधिसूचना समस्यालय के अनुक्रम मे, निम्नांकित अधिकारियो को उपनिदेशक, जनगणना परिचालन के पदो पर उनके नाम के आगे दर्शित निदेशक, जनगणना परिचालनों मे, अगले दो महीनो के लिए दिनांक 1-1-78 ने 28-2-1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी समय कम हो, तदर्थ नियुक्ति को सहर्ष बढ़ाते हैं—

क्रम स०	नाम	निदेशक, जनगणना परिचालन का नाम	मुख्यालय
1	2	3	4
1	श्री अर्गबिन्द डागे	गिरिकम	गगटोक
2	श्री एम० थंगाराज	तामिल नाडु तथा पांडिचेरी	मद्रास
3	श्री एस० राजद्रव	गोवा, दमन एण्ड पण्डी	दीकु
4	श्री जगदीश सिह	दिल्ली	दिल्ली
5	श्री एस० एस० एम० जेगवाल	उत्तर प्रदेश जेगवाल	लखनऊ
6	श्री एम० के० अग्रवाल	हिमाचल प्रदेश	शिमला

स० 11/1/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 7 अक्टूबर, 1977 की अधिसूचना स० 11/1/77-प्रशा०-I के अनुक्रम मे निम्नांकित अधिकारियो को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पदो पर उनके नामो के आगे दर्शित निदेशक, जनगणना पा० वा० लालगोंगे, अगले ३ महीनो के नियमित दिनांक 1-1-78 से 31-3-78 तक अथवा जब तक पद नियमित

रूप से नहीं भरा जाना, जो भी समय कम हो, तदर्थं नियुक्ति सहर्ष बढ़ाते हैं।

क्र० स० अधिकारी का नाम	राज्य	मुख्यालय	
1	2	3	4
1. श्री एम० के० मजूमदार	नागार्लैंड	कोहिमा	
2. श्री बी० ई० शर्मा	चंडीगढ़	चंडीगढ़	
		केन्द्र शासित	

दिनांक 1978

म० 6/1/74 म० ८० (प्रश्ना० १) —राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना स० 6/1/74-म० ८० (प्रश्ना० १) तारीख 8 जून, 1977 के अनुक्रम से सर्वश्री एन० सी० शर्मा और आर० एन० तलवार की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पदों पर तदर्थं नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 जनवरी, 1978 से तारीख 31 दिसम्बर, 1978 तक 1 वर्ष की और अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आधार पर भरे जायेंगे, जो भी समय इनमें पहल हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सर्वश्री एन० सी० शर्मा आर० एन० तलवार का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

स० 10/13/76-प्रश्ना० १—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक और बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में इस समय तदर्थं आधार पर गहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री आर० ए० तोमर को उसी कार्यालय में तारीख 9 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय पटना में ही रहेगा।

म० 11/5/77-प्रश्ना० १—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 19 जुलाई, 1977 की समस्यायक अधिसूचना के अनुक्रम में, श्री आर० के० भाटिया, अन्वेषक की उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थं नियुक्ति की अवधि की, तारीख 4 जनवरी 1978 ने तारीख 28 फरवरी 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, इनमें जो भी समय पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री भाटिया का मुख्यालय लखनऊ में ही रहेगा।

बद्री नाथ,  
भारत के उप-महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 फरवरी 1978

म० गी०/गी० (३५) प्रश्ना० १—गण्डारा०, ३८ कार्यालय की तारीख ७ दिसम्बर, 1977 को गमगायक अधिसूचना वा

अनुक्रम में, भारत निर्वाचन आयोग मन्त्रिवालय के स्थायी हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थं नियुक्ति को तारीख 1 जनवरी 1978 से 31 मार्च 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहल हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

बद्री नाथ,  
भारत के उप-महापंजीकार और  
भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशगाबाद (म०प्र०), दिनांक 4 फरवरी 1978

स० 7 (36) 8928—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7 (36) 13834 दिनांक 24/6/75, क्रमांक 7 (36) 10023 दिनांक 23/12/75, क्रमांक 7 (36) 13145 दिनांक 26/3/76, क्रमांक 7 (36) 6051 दिनांक 14/9/77, क्रमांक 7 (36) 12896 दिनांक 25/3/77, क्रमांक 7 (36) 3134, दिनांक 16/7/77 और क्रमांक 7 (36) 6212 दिनांक 28/10/77 के आगे श्री एस० ई० सिरसट तदर्थं आधार पर 31/12/77 से 3 महीने तक की और अवधि अवधि इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्रिम-शमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन  
महाप्रबन्धक

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

स० ई० बी० १/८-३१२/७७-७८/३९७—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० प्रसन्ना राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद बारा वेतनमान रु 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-1-1978 के पूर्वाह्न में जब तक आगे आदेश न दिया जाये, नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

ग० आर० मुख्यर्जी  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)  
सहायक महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, प्रथम, पश्चिम बगाल

कलकत्ता-१, दिनांक 4 फरवरी 1978

म० प्रश्ना० १/१०३८/XV/३७७४—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बगाल ने श्री ज्ञानेश चन्द्र चौधरी, स्थायी अनुभाग अधिकारी को गमगायक श्री गमगायक अधिकारी के पद पर दिनांक 28-१-1978 (पूर्वाह्न) या उनके द्वारा वास्तव में महालेखाकार

कार्यालय क्रितीय में कार्यभार प्रहने की तिथि से अन्य आदेश निकलने तक बहाली करने की कृपा की है।

श्री चैधुरी श्रपने वर्तमान पद से मुक्त होकर महालेखाकार वित्तीय में वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासा०) के समक्ष उपस्थित हो जिससे कि वे उस कार्यालय के रिक्त स्थान में कार्यभार प्रहन कर सकें।

पी० कौ० बन्धोपाध्याय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय  
पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० ए८/ 8/ 76—इस कार्यालय के स्थानाप्त सहायक मुख्य लेखा परीक्षक श्री पी० कौ० बनर्जी सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

देवीदास आचार्य  
मुख्य लेखा परीक्षक  
पूर्वी रेलवे

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 31 जनवरी 1978

स० 68012-क (4)/77/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, निस्त-लिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित सर्वग के कनिष्ठ समयभान में स्थानाप्त रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के सामने लिखो तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम	पदोन्नति की तारीख
------	-----	-------------------

(1)	(2)	(3)
1. श्री एस० कनकसेश अर्यर	12-12-77	(पूर्वाह्न)
2. श्री पी० कौ० भट्टाचार्जी	3-1-78	(पूर्वाह्न)
3. श्री गौर जीवन मित्रा	12-12-77	(पूर्वाह्न)
4. श्री शाम लाल कपूर	12-12-77	(पूर्वाह्न)
5. श्री चरणजित लाल मागो	12-12-77	(पूर्वाह्न)
6. श्री राजकुमार बहल	23-12-77	(पूर्वाह्न)

	(1)	(2)	(3)
7. श्री मदन मोहन लाल			21-1-78 (पूर्वाह्न)
8. श्री कौ० सौ० उशीरामन			12-12-77 (पूर्वाह्न)
9. श्री हौ० प्रा० बालमुन्द्रमण्डम			2-1-78 (पूर्वाह्न)
10. श्री बी० पी० गुप्ता			20-12-77 (पूर्वाह्न)
11. श्री बी० जी० कृष्णमूर्ति			12-12-77 (पूर्वाह्न)
12. श्री भगत राम विआला			12-12-77 (पूर्वाह्न)
13. श्री आर० बी० बालमुन्द्रम			12-12-77 (पूर्वाह्न)
14. श्री जी० ए८० वर्मा			10-1-78 (पूर्वाह्न)

श्री० एम० भीर  
रक्षा लेखा अपराह्न नियन्त्रक

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आर्डेनेस फैक्टरिया सेवा

महानिदेशालय, आर्डेनेस फैक्टरिया

कलकत्ता, दिनांक 17 जनवरी 1978

स० 1/78/जी०—58, वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री एस० एम० आर० सिह, स्थानाप्त सहायक प्रबन्धक, ग्रेड-I (मौलिक एव स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II) दिनांक 30-11-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए:—

दिनांक 27 जनवरी 1978

स० 3/जी०/78—राष्ट्रपति, श्री कौ० पी० बनर्जी, भूतपूर्व स्थानाप्त सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) को अस्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर आरह मर्मीनो के लिए दिनांक 4-4-77 (अपराह्न) से पुनः भर्ती करते हैं।

एम० एन० शूक्ला  
महाप्रबन्धक महानिदेशक आर्डेनेस फैक्टरिया

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1978

आयात और नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

स० 6/155/54-प्रशा० (ग०)/290—राष्ट्रपति, श्री ए८० एन० आनन्द, उप मुख्य नियन्त्रक, आयात नियंत्रित (केन्द्रीय

संविवालय सेवा में भिन्न) की वित्तकुल तदर्थे पर श्रम्भार्थ आधार पर 1-10-77 से आगे के तीन महीने की श्रवक्षि के लिए या जब तक नियमित व्यवस्था नहीं हो जाती उनमें से जो भी पहले हो, मुख्य नियन्त्रक आयात-नियात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियात के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र० वै० जोपाद्वि  
मुख्य नियन्त्रक

### पूर्ति विभाग

#### पूर्ति नशा निपटान महानियेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1978

स० प्र०-1/1 (69) VIII—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानियेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न उप महानियेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० का अधिमस्यमान पद) श्री एस० सी० अग्रवाल को दिनांक 8 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आर० के सिहल के स्थान पर अपर महानियेशक के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री सिहल जी स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मन्त्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति हो गयी है।

दिनांक 3 फरवरी 1978

स० प्र०-1/1 (1100)—केंगल सरकार के अपने मूल सर्वं में वापिस लौटने पर श्री सी० कर्णाकरण ने दिनांक 18 जनवरी, 1978 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानियेशालय में सहायक नियेशक (बिक्रीकर) (ग्रेड-1) का पदभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 फरवरी 1978

स० प्र०-1/1 (1108)—नियोक्त नियेशक (धातुकर्म) जमशेदपुर के अधीक्षक (श्राविर्ग स्तर-II) तथा स्थानापन्न महायक नियेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० के० मुख्यर्जी निवृत्तमान। आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1978

स० प्र०-6/247 (246) 60 वी०—भारतीय नियोक्त सेवा धातु रसायन शाखा (श्रेणी-1) के ग्रेड-II में स्थायी महायक नियेशक नियोक्त (धातु-रसायन) और पूर्ति तथा निपटान महानियेशालय के अधीन जमशेदपुर नियोक्तालय में सेवा के ग्रेड-II में स्थानापन्न उप नियेशक नियोक्तालय श्री के० एल० मूर्ति दिनांक 31-12-77 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

दिनांक 28 जनवरी 1978

स० प्र०-17011/ 71-प्र०-6—राष्ट्रपति, भारतीय नियोक्त सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा के

नियोक्त अधिकारी श्री जे० के० सिन्हा को दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से आगामी अदेशों के जारी होने तक इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III में उप नियेशक नियोक्त के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा ने नियोक्त अधिकारी इंजीनियरी का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 12 दिसम्बर 1977 के अपराह्न में नियेशक उत्तरी नियोक्त मठल, नई दिल्ली के कार्यालय में उप नियेशक नियोक्त (इंजीनियरी) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1978

स० प्र०-17011 (64) 77-प्र०—श्री एस० पी० मिह का सेवा से त्याग पत्र स्वीकृत हो जाने पर उन्होंने दिनांक 8-12-77 (अपराह्न) में इस महानियेशालय के अधीन सदास नियोक्त मण्डल में नियोक्त अधिकारी (इंजी०) भारतीय नियोक्त सेवा (श्रेणी-1) इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III का पद भार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश  
उप नियेशक (प्रशासन)  
कृते महानियेशक

### उद्योग मन्त्रालय

#### औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (संघ उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 फरवरी 1978

स० ए-19018/337/78-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग) 23 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से श्री द्वारका प्रसाद पोपली, हिन्दी अनुवादक को तदर्थे आधार पर लघु उद्योग विकास संगठन में हिन्दी अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री द्वारका प्रसाद पोपली ने 23 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त लघु उद्योग) के कार्यालय में हिन्दी अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० बेकटरायलू  
उप-नियेशक (प्रशासन)  
इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 जनवरी 1978

स० 739/वी०/2339 (आर० के० एम०) 19वी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्र के सहायक भूभौतिकीविद श्री आर० के० माथुर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं

से 19 अगस्त, 1977 के अन्तर्गत में, इस्तीफे पर मुक्त किया जाता है।

वी० के० एस० वरदन  
महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो  
नागपुर, दिनांक 2 फरवरी 1978

स० ए-19011 67/70-स्था० ए०—श्री आर० डी० नायक उप खनिज अर्थशास्त्री को दिनांक 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के बेतन पर खनिज अर्थशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर  
कार्यालय अद्यता

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

म० 2/1/78 एफ० एफ० डी०—भारत के पच्चीमवे राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1978 के नियम सार्वजनिक सूचनार्थ प्रकाशित किए जाने हैं—  
नियमावली

(1) सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का मोटो 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' है।

इस समारोह के आयोजन के उद्देश्य निम्नलिखित है—

- (क) कलात्मक सौदर्य से पूर्ण, भावनाप्रद तथा तकनीकी दृष्टि से उच्च स्तर की तथा मामाजिक, देशभक्तिपूर्ण, शैक्षणिक तथा मास्कृतिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना,
- (ख) विभिन्न क्षेत्रों के फिल्म-संस्कृति के अधिमूल्यन एवं विवेचन में योगदान देना, तथा,
- (ग) राष्ट्रीय एकता एवं संगठन की भावना को विकसित करना।

(2) केन्द्रीय फिल्म सेन्टर बोर्ड द्वारा 1977 में प्रमाणन के लिए प्राप्त और 31 जनवरी, 1978 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म, जो समारोह के उद्देश्यों के अनुरूप हो, समारोह में शामिल की जा सकती है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्में 35 एमएम या 16 एमएम गेज की होनी चाहिए। लघु चित्रों की लम्बाई आम तौर पर 1000 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) समारोह में प्रविष्टि के रूप भेजी गई फिल्म बित्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सेन्टर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।

(4) कोई भी फिल्म जिसके माथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप से सम्बन्ध रखता हो समारोह में शामिल नहीं हो पायेगी।

(5) समारोह के लिए प्रविष्टि, ग्राहक विभाग या निर्जी-निर्माता/निर्माता कम्पनी, बाई भी भेज सकता है। पूरी तरह भरा गया मल्टी प्रविष्टि पत्र (दो प्रातियां में) 15 मार्च 1978 तक हर हालत में पहुंच जाना चाहिए।

(6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल बनने के लिए फिल्म के प्रिन्ट 15 मार्च, 1978 तक फिल्म समारोह निदेशालय से अवश्य पहुंच जाने चाहिए। यदि गम्भीर हो तो फिल्मों के प्रिन्ट प्रवेश पत्रों के माथ ही भेज दिए जाएँ। प्रिन्ट भेजने के माथ ही प्रेपक को फिल्म के शीषक, भाषा, रीलों की सख्ती, प्रिन्ट का और किस प्रकार भेजा गया, इस बारे में तार द्वारा सूचना दे देनी चाहिए।

(7) प्रत्येक प्रतियोगी फिल्म समारोह निदेशालय को निम्नलिखित प्रनार-मामग्री 15 मार्च, 1978 से पहले भेजेगा—

- (क) रुथाचित्र के माथ अप्रेजी में कथामार्क का 40 प्रतिया। लघुचित्र के माथ केन्टरी की 15 प्रतिया,
- (ख) प्रचार मामग्री—छ बड़े पोस्टर, एवं छ फोटोमेटम,
- (ग) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों की संक्षिप्त जीवनिया,
- (घ) फिल्म की भाषा में स्क्रिप्ट की 5 प्रतिया तथा अप्रेजी या हिन्दी में (यदि फिल्म की भाषा कोई अन्य हो) अनुवादित स्क्रिप्ट की 5 प्रतिया,
- (ङ) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों के पासपोर्ट माइज फोटोग्राफ (प्रत्येक की 2 प्रतिया)।

(8) 35 मि० मी० में 1,000 मीटर तथा 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपए और उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपए की प्रविष्टि फीस भेजनी होगी। यह फीस वापस नहीं की जाएगी।

प्रवेश शुल्क की राशि सरकारी खजाने में "085 इन्कोर्सेन एण्ड पव्लिसिटी रिलीज फ्राम फिल्म्स" शीर्ष के अधीन द्रेजरी चालान से जमा करानी चाहिए और इस की प्रति फिल्म समारोह निदेशालय को प्रविष्टि फार्म के माथ लगा कर भेजनी चाहिए।

(9) भारत सरकार द्वारा दो राष्ट्रीय ज्यूरिया गठित की जायेगी—एक कीचर फिल्मों के लिए, दूसरी लघुचित्रों के लिए। सभी प्रकार के बाल-चित्र राष्ट्रीय कीचर फिल्म ज्यूरी द्वारा परखे जायेगे।

(10) कीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा—

- (क) सरकार द्वारा नामजद एक अध्यक्ष, और
- (ख) कला, मानविकी और फिल्म के क्षेत्र में 'प्रतिष्ठित' 21 वर्किंग जो फिल्मों की विषय-वस्तु, कलात्मकता और तर्फनीकी गुण दृष्टि परखने की गोम्यता रखते हों। इन गवर्नरों को सरकार नामजद बनायेगी।

(11) राष्ट्रीय कीचर फिल्म ज्यूरी के अध्यक्ष (यदि चाहे) तो प्रत्येक भाषा की फिल्मों तथा बाल चित्रों को परखने हेतु राष्ट्रीय ज्यूरी के मदरस्यों में से विभिन्न पैनल गठित कर सकते हैं।

(12) पत्तेर पैनल फीचर फिल्मों के लिए उपर निर्दिष्ट राष्ट्रीय ज्यूरी को बिना अंडा क्रम वा उत्तराय । 10 पुरस्कारों के लिए उपयुक्त ममज्जे जाने वाली अधिक म अधिकतीन फीचर फिल्मों की मिफारिश करेगा । तथापि, यदि पैनल की राय में कोई विशिष्ट फिल्म उसके द्वारा जारी गयी फिल्मों से नियम 24-1 (v) में (xx) तक के अन्तर्गत व्यक्तिगत मफलताओं के लिए नियत पुरस्कार पाने की अधिकारी है, तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी ।

(13) तत्पश्चात फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी विभिन्न भाषायी पैनलों और बाल फिल्मों सम्बन्धी पैनल द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेगी तथा नियम 24-1 के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की मिफारिश करेगी ।

(14) फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी सर्वप्रथम निम्नलिखित तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों वा न्यूनतम व्याचित्रता, सर्वोत्तम व्याचित्रता वा अन्तर्गत व्याचित्रता के लिए फिल्मों की मिफारिश करेगी ।

—राष्ट्रीय सर्वोत्तम व्याचित्रता [नियम 24-1 (i) के अन्तर्गत] ।

—लोकप्रियता, स्वस्य मनोरजन तथा कलात्मक सौदर्य वाला सर्वोत्तम कथा चित्र [नियम 24-1 (ii) के अन्तर्गत] ।

—राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र [नियम 24-1 (iii) के अन्तर्गत] ।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्में पुन ग्रावेशिक पुरस्कार लेने की हकदार नहीं होगी ।

(15) लघुचित्रों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी, जिसमें अध्यक्ष महित 5 सदस्य होंगे, मरकार द्वारा गठित की जायेगी तथा निम्नानुक्रित पुरस्कारों के लिए फिल्मों की जाच करेगी —

सर्वोत्तम वत्त फिल्म, सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म  
सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (ग्रन्थावासायिक/व्यावसायिक)  
सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म, सर्वोत्तम कार्टून फिल्म,  
सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र, सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन

(16) कोई भी व्यक्ति जो किसी भी रूप में ममारोह में सम्मिलित किसी फिल्म से सम्बन्ध रखता हो, किसी भी ज्यूरी का सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता ।

(17) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों को परखने हेतु अपनी-अपनी प्रक्रियाएँ स्वयं निर्धारित करेंगी ।

(18) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों या उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों की संख्या के आधिक से कम नहीं होगा ।

(19) निर्देशक, फिल्म समारोह निर्देशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई व्यक्ति नियमावली सम्बन्धी आवश्यक परामर्श देने हेतु दोनों ज्यूरियों की बैठकों में भाग ले सकता है । विन्तु निर्देशक या उनके द्वारा मनोनीत व्यक्ति को मत देने वा अधिकार नहीं होगा ।

(20) ज्यूरियों के सदस्य बैठकों की कार्यवाही को बिल्कुल नोर्मल रखेंगे । साथ ही वे किसी भी नागजात या सामग्री का, जो

उन्हें ज्यूरी के काम नेतृत्वी गई हो, समाचार पत्र, नेचियो टेलीविजन या अन्य मार्गियों द्वारा प्रगार हेतु, प्रयोग नहीं करेंगे ।

(21) इन नियमों में निहित कोई बात फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी तथा छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के लिये यह मिफारिश करने में बाधक नहीं होगी नि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी स्क्रीन प्ले लेखक, निर्देशक, कैमरामैन, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता, पार्श्वगायक और संगीत निर्देशक पुरस्कार के लिए सम्मुचित स्तर का नहीं है ।

(22) यदि किसी प्रविष्टि फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जायेगी । यदि दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह ज्यूरी की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकेगा ।

(23) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों के सदस्य नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य यात्रा भस्ते के अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बन्धित बैठकों में उपरिथ द्वाने/फिल्मों के प्रियंग के लिए सरकार द्वारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे ।

(24) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल फिल्मों निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती है

#### I—कथा चित्र

(i) राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र

वर्ष के राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार ।

(ii) प्रभावशाली, पूर्ण मनोरजन और कलात्मक सौदर्य वाले कथाचित्र के लिए विशेष पुरस्कार । निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल ।

(iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र  
निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपये का नकद पुरस्कार निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार ।

(iv) प्रत्येक प्रावेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार

—हिन्दी (उर्दू, हिन्दुरातानी और भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी (कोणी मैथिल), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी मिथ्या और अंग्रेजी,  
—बंगला, असमिया, उडिया और मणिपुरी,

—तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम के सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार ।

(v) सर्वोत्तम निर्देशक

वर्ष के सर्वोत्तम निर्देशक को रजत कमल और 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार ।

(vi) सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले  
गर्वोत्तम रिकॉर्ड मैनेजर को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोत्तम अभिनय  
(क) सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार;

(ख) सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार;

(ग) सर्वोत्तम वाल अभिनेता/अभिनेत्री (जिनकी आयु 14 वर्ष से कम हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(viii) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन)  
रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी मादी  
मादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(x) सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन  
सर्वोत्तम ध्वनि आलेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xi) सर्वोत्तम सम्पादन  
सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xii) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक  
सर्वोत्तम संगीत निर्देशक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiii) सर्वोत्तम पार्श्वगायक  
सर्वोत्तम पार्श्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiv) सर्वोत्तम पार्श्वगायिका  
सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xv) सर्वोत्तम बाल चित्र  
निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

## II—लघु चित्र

(i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र)  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ii) सर्वोत्तम जैक्षणिक फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अध्यावसायिक/व्यावसायिक)  
(राष्ट्रीय गृहत्व जैसे राष्ट्रीय एकादा, सामाजिक त्याय, सहयोग, बचत, वृष्टि कार्य सहित विकास की गतिशीलता आदि के विषय पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म या सर्वोत्तम, व्यावसायिक प्रेरक/विज्ञापन फिल्म) निर्माता और निर्देशक को एक-एक रजत कमल।

(iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 'एनिमेटर' को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vi) सर्वोत्तम न्यूजरील कमरामन  
सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

III दादा साहैब कालके पुरस्कार  
(भारतीय सिनेमा के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष पुरस्कार)  
स्वर्ण कमल, 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक शाल।

## स्पष्टीकरण

यहां पर निर्माता, निर्देशक, स्क्रीन प्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, संगीत निर्देशक, तथा पार्श्व गायक/गायिका, शब्दों से अभिप्राय श्रमणः उस निर्माता, निर्देशक, स्क्रीन प्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि, आलेखक, सम्पादक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्व गायक/गायिका से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेमर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षकों में होगा।

(25) सरकार अपने विकानुसार, बैंक ड्रापट/चेक के रूप में नकद इनाम दे सकती है।

(26) नियम 24 की श्रेणी I-(i) से (iv) के अन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाली फीचर फिल्म के निर्माता को उसके उप-शीर्षक किसी प्रत्य भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 3,000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जायेगी।

(27) सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिन्ट को, जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सके। उस फिल्म की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और विधायण प्रभारों की निर्माण की प्रतिपूर्ति की जाएगी। प्रतिपूर्ति तभी की जाएगी जब प्रिन्ट विन्कूल नहीं

होगी तथा पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर फिल्म समारोह निदेशालय के पांग पहुंच गई हो। यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर नई प्रिन्ट निदेशालय को नहीं दी जाती तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में मस्मिलित प्रिन्ट को बिना किसी क्षतिपूर्ति दिये सरकार रख लेगी।

(28) यदि निर्देशन में उत्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय गर्वोत्तम कथा चित्र या प्रभावशाली और पूर्ण मनोरंजन के लिए पुरस्कार प्राप्त कथा चित्र या राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथा चित्र और प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त करने वाली कथा चित्र का भी निर्देशक होगा तो वह केवल एक ही रूप में, अधिक नकद राशि वाला पुरस्कार प्राप्त करेगा।

(29) पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को फिल्म को राष्ट्रीय ज्यूरियों या उनके किसी भी पैनल के शो में, जो सरकार द्वारा आयोजित किया जाए, दिखाने से कोई आपत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई आय होगी, तो वह सरकार के राजस्व में जमा करवाई जाएगी।

(30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने ले जाने पर जो खर्च होगा वह सारा प्रतियोगी को देना होगा।

(31) पुरस्कारों और इन नियमों के सही मतलब का जहा तक सम्बन्ध है, केंद्रीय सरकार के निर्णय अन्तिम होंगे और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी।

(32) जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसने यह नियम मान लिए हैं।

(33) फिल्म प्रचार सामग्री तथा प्रबोधन-पत्र भेजने का पता, फिल्मों के निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन एनेक्सी, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली-110011 तार का पता फिल्मोंत्सव नई दिल्ली

25वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1978

प्रविष्टि

(दो प्रतियों में फिल्मों के निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय विज्ञान भवन एनेक्सी, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली-110011 के पास 15 मार्च 1978 तक पहुंच जाना चाहिए)।

- 1 फिल्म का नाम
- 2 भाषा
- 3 वर्गीकरण . फोचर/बालचित्र/लघु फिल्म
- 4 फिल्म की लम्बाई (मीटर में)
- 5 समय घटा मिनट
- 6 रीलों की संख्या
- 7 गेज 35 मि० मी०/16 मि० मी०
- 8 गादी/रगीन
- 9 सेसर प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख

- 10 सेसर प्रमाणपत्र का वर्गीकरण ('ए' या 'यू')
- 11 निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो वह भी दे दे)
- 12 निदेशक का नाम और पूरा पता
- 13 स्क्रीन प्ले लेखक/स्क्रिप्ट लेखक का नाम और पूरा पता
- 14 नायक का नाम और पूरा पता
- 15 नायिका का नाम और पूरा पता
- 16 14 वर्ष से कम आयु का कोई बाल अभिनेता / अभिनेत्री हो तो उसका नाम और पूरा पता
- 17 कैमरामैन का नाम और पूरा पता
- 18 ध्वनि आलेखक का नाम और पूरा पता
- 19 सम्पादक का नाम और पूरा पता
- 20 संगीत निदेशक का नाम और पूरा पता
- 21 पार्श्वगायक का नाम और पूरा पता
- 22 पार्श्वगायिका का नाम और पूरा पता
- 23 कार्टून फिल्म के एनी-मेटर का नाम और पूरा पता
- 24 रिलीज होने की तारीख
- 25 यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का उब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया हुआ रूप रूपान्तर या रिटेक है उसका व्योरा

26 समारोह के बाद प्रिन्ट

किम पते पर लौटाई जाये

दिनांक 3 फरवरी 1978

प्रवेशक का नाम	
पूरा पता	.....
दिनांक	.....
	हस्ताक्षर

वी० ए० कटारा,  
डाइरेक्टर आफ फिल्म्स

आकाशवाणी : महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 10/19/77-स्टाफ 3—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री जे० के० रनबाल, आकाशवाणी भागली के सहायक इंजीनियर (अस्थायी पद पर) का त्यागपत्र दिनांक 5 दिसम्बर 1977 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सं० 10/134/77-ए० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री जे० पी० मिह को आकाशवाणी दिल्ली में दिनांक 31-10-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

अधीर कुमार बसु  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० ए० 31015/1/77-ओ० नि०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) दिपाली राय को 15 जनवरी, 1976 से केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में संयुक्त औषध विज्ञासी (एसोसिएट फार्माकोलाजिस्ट) के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

ए० ए० गोठोस्कर  
औषध नियन्त्रक (भारत)  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1978

स० ए० 19019/1/78-प्रशासन-1—सेवा निवृत्ति की प्राप्त हो जाने पर डा० ए० पिन्हू दूर सरारियों ने 31 दिसम्बर, 1977 आगाही ग्रन्थाफ गर्जन, दन निकाला (हेल्पी गरकार स्वास्थ्य योजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गं० ए० 19020/51/76-(ए० आर० ए० ए० प्रशासन-1—आपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्री पी० के० सुधीर, कनिष्ठ विलेषक ने 29 नवम्बर, 1977 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गं० ए० 32012/1/76-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने मफदरजग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री खूब चन्द को 4 जनवरी, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में भण्डार अधिकारी (जनरल स्टोर) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

स० ए० 12026/14/77 (ग्र० भा० भौ० चि० व० पु० स०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, श्रीमती बी० एन० लालिरिया को 5 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्न से 7 अक्टूबर, 1977 (अपराह्न) तक श्रीमती एन० ए० केलकर की अवकाश रिक्ती में अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास मस्थान, बम्बई के चिकित्सा समाज कल्याण विभाग के चीफ के पद पर नियुक्त किया है।

स० ए० 12026/36/77 (मुख्यालय) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के सहायक वास्तुविद श्री ए० के० धोते को 19 दिसम्बर, 1977 से 4 फरवरी, 1978 तक इसी निदेशालय से श्री ए० के० गुप्ता के स्थान पर वास्तुविद के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 फरवरी 1978

स० ए० 12023/16/76-(ब्ल्यू० ए० च०) 5 प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० सी० अग्निहोत्री, विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली में कार्यालय अधीक्षक को 11 जनवरी, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाल  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1978

मंत्रया फाईल :—ए-19023/3/78 प्र० ह० सघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर० ए० खानोरकर को नागपुर में दिनांक 19 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से र० 650-1200 के वेतनमान में अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप से विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2. विषयन अधिकारी द्वारा नियमित होने पर श्री खानोरकर ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न में

उसा मे सहायक विपणन अधिकारी (बग 1) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी०पी० चावला  
निदेशक प्रशासन

## (ग्राम विकास विभाग)

नागपुर, दिनांक जनवरी 1978

सं० फा० ३ (44)/९/७२ वि०-१I—उपांत सं० १२ दिनांक ९-६-१९४५ सं० १ कैम्प दि० ५-१-१९४६ सं० ६ दि० ५-२-१९४९ सं० ६४ दि० १७-६-१९६१ तथा भारत के राजपत्र मे प्रकाशित भारत सरकार, वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व), वित्त मन्त्रालय (राजस्व मे डल) की अधिसूचनाओं के लिए मे एतद्वारा, सर्वश्री एन० सी० जोणी, उपवरिष्ट विपणन विकास अधिकारी (शीत गृह) तथा वाई० के० पांडेय, वरिष्ठ निरीक्षक को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तिथि से तम्बाकू, जिसका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम १९३७ (१९३७ का.) के खण्ड ३ के अधीन सूचीकृत और तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्न नियम के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के मम्बन्ध मे श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है।

ज० सी० उपपल  
कृषि विपणन सलाहकार

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

स० रापविप/०९००२/जी०/(८४८)/७७/स्थ०/५००—  
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुद्य परियं जन।  
इंजीनियर, स्थार्यवित वैज्ञानिक सहायक बी० और स्थानापन्न  
वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एम० बी० श्री बी० बी०  
लारेन्स का त्यागपत्र, दिनांक ३१ अगस्त, १९७७ के अपराह्न  
से स्वीकार करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु ऊर्जा प्रभाग  
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-५०० ०१६, दिनांक ५ फरवरी 1978

सं० ए० एम० डी०-१/२८/७७-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री रवीकान्त दिग्म्बर, देशमुख को २३ जनवरी १९७८ से पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग मे स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर, ग्रेड SB, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी० १/२८/७७-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री जी० ए० रवी को २३, जनवरी १९७८ के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी

प्रभाग मे स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड SB नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथ  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-४०० ००८, दिनांक ३१ जनवरी 1978

सं० भापापए/स्था०/१/धा-३९/५१३—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी श्री यशवन्त पुर्खोसम धारपुरे, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र तथा भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय), के स्थानापन्न प्रबंण श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना मे २८ दिसम्बर, १९७७ (पूर्वाह्न) से आगे आदेशहोने तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन  
अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-३८००५३ दिनांक ३ जनवरी, 1978

सं० अ० उ० के०/स्थापना/सी० ए०/एम० सी० एस० डी० ३४/७८—निदेशक, श्री महेन्द्र नाथ ब्यास को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप मे अन्तरिक्ष विभाग के भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र मे दिनांक १४ नवम्बर, १९७७ से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० जी० नायर  
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

## विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-६९५०२२ दिनांक १७ जनवरी 1978

सं० बि० सा० अ० के०/स्थापना/एन० टी० एफ०/७८—  
विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम मे वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी० के पदों पर स्थानापन्न रूप मे ह० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६० के बेतनमान मे, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:

क्र०	नाम	पदनाम	प्रभाग/ परियोजना	नियुक्ति की तारीख
सं०		(३)	(३)	(५)
सर्वे श्री				
१.	य० आई० गोपाल सिंह	वैज्ञानिक/ गोपाल सिंह	आर० पी० पी०	१-१०-७७
		इंजीनियर	एस० बी०	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्व श्री	वैज्ञानिक इंजीनियर			
	एस० बी०			
2. एस० सुश्रहूमण्यम	,,	एस०टी०एफ०	1-10-77	
3. ए०पी० श्रीधरराण	,,	ई०एफ०एफ०	1-10-77	
4. ई०पी०आर्ड०	,,	जी० एस००एस०	1-10-77	
कृष्ण दास				
		जी०एस०एस०		
5. के० नारायण	,,	ई०एम०डी०	1-10-77	
पिल्लै				
6. एस० रामास्वामी	,,	एस०एल०बी०	1-10-77	
पिल्लै				
7. श्री के० एम०	,,	पी०एस०सी०	1-10-77	
चन्द्रन				
8. एस० शिवराम-	,,	पी० एफ०सी०	1-11-77	
कृष्णन				
9. के० जॉन	,,	सी०ओ०एम०	1-11-77	
10. जी० केशवन नायर	,,	सी०ओ०एम०	1-11-77	

श्री चक्रवर्ती को निवेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

गुरुमुख राम गुप्ता  
मौसम विज्ञानी

कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० ए० 19012/1/78-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने डा० बीरेन्द्र सक्सेना को 30-1-78 (पूर्वाह्नि) से, तथा अगले श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा

उप निदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक

राजन बी० जैंज  
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)  
कृते निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई विल्ली-3, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० ई० (1) 00916—वैधशालाओं के महानिदेशक श्री दुलाल चक्रवर्ती को 28 नवम्बर 1977 के अपराह्न से आगामी अक्टूबर तक भारतीय मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-बी) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 6 जनवरी 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013 11/77-ई० सी० में क्रम संख्या 6 के सामने दी गई प्रविष्टियों को संशोधित रूप में निम्न प्रकार में पढ़ा जाए—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
6. श्री बी० के० चौधरी	नियतक, वैज्ञानिक निरीक्षण, बम्बई	

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—नागर विमानन के महानिदेशक ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उनके नामों के सामने लिखे स्टेशन पर तैनात किया है—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहाँ तैनात किया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1. श्री ए० रामास्वामी	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, मदुरई	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, मदुरई		1-12-77 (पूर्वाह्नि)
2. श्री सी० एल० जैन	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, वाराणसी।।	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, श्रीगंगार		31-12-77 (पूर्वाह्नि)

सं० ए-32013/6/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 16-8-77 तथा 20 मिनम्बर, 1977 की प्रधिमूच्चता गा० 32013/6/77 के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई पदोन्नति की अवधि दिनांक 28-10-77 से 31-10-77 तक बढ़ा दी है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री ए० जी० नरसिंहा	रेडियो निर्माण एवं विकास स्कीम, नई दिल्ली ।	
2. श्री ए० जगदीशन	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदर-जंग, एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।	
3. श्री एम० एम० पोलास	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम ।	
4. श्री के० सुरेन्द्र	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम एयरपोर्ट, पालम	

सं० ए-32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती कार्यभार स्टेशन	नया सभालने की तारीख	तैनाती स्टेशन
1. श्री रूप चन्द्र	रेडियो निर्माण एवं विकास स्कीम (पूर्वाल्क)	6-1-78	रेडियो एकक, नई दिल्ली ।	रेडियो निर्माण
2. श्री एम० जय-रामन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास ।	9-1-78	(पूर्वाल्क)	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास

सत्य देव शर्मा,  
उप निदेशक प्रशासन  
कृत महानिदेशक

बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० 16/272/77 स्थापना-I—अध्यक्ष, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री सशिदानन्द विश्वास

को, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन क्षेत्रीय बन अनुसन्धान केन्द्र, बर्नीहाट में दिनांक 18 नवम्बर, 1977 के पूर्वाल्क से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 16/274/77 स्थापना-I—अध्यक्ष, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० रामेश्वर बधाल को पार्षदीय पंच वर्षीय योजना की गोण बनोत्पाद शोध योजना में, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के अधीन क्षेत्रीय केन्द्र बंगलूर में 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाल्क से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टनागर,  
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहतालिय

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० 126/77—विस मन्त्रालय, राजस्व विभाग, नई विल्ली के पृष्ठांकन सं० फाइल क-22012/27/77-प्रशा० दिनांक 1-8-77 के अन्तर्गत निर्गत आदेश सं० 113/77 तथा इस कार्यालय के स्थापना आवेदन सं० 1/क/306/77, दिनांक 5-8-77 के अनुसरण में निम्नलिखित अधीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'क' ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालिय कानपुर के अधीनस्थ कार्यालयों में जो उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तारीखों को कार्यभार ग्रहण किया।

क्रम सं०	नाम	कार्यग्रहण स्थान	तिथि (तारीख)
1. कुमारी नीलम रत्न	मुख्यालय कानपुर/एकीकृत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल कार्यालय मेरठ	(पूर्वाल्क)	8-8-77
2. कुमारी विजय लक्ष्मी शर्मा	एकीकृत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल कार्यालय मेरठ	11-8-77	(पूर्वाल्क)
3. श्री एच० ओ० तिवारी	, कानपुर II/	10-8-77	(पूर्वाल्क)
4. श्री शशोक कपूर	, गाजियाबाद I/	6-8-77	(पूर्वाल्क)
5. श्री राहुल गोयल	, अलीगढ़ /	8-8-77	(पूर्वाल्क)

पी० पी० शानन्द  
समाहती

नागपुर, दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० 2/78—निम्नान्वित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्र००) की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्नति होने पर, उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाएँ तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर कार्यभार ग्रहण किए।

अ० क्र० अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	
1	2	3	4
सर्वेश्वी			
1. एन० एम० नंदनबार	अधीक्षक, कै० उ० श००	17-1-78 बहुपदीय अधि- कारी रेंज-II, नागपुर	के पूर्वाह्नि में
2. एम० एम० पाटील	अधीक्षक, कै० उ० श००	16-1-78 रेंजेस, बल्लारपूर	पूर्वाह्नि में

मं० 3/78—श्री जी० टी० चिप्लूनकर, प्रणासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, उज्जैन की प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने श्री आर० एस० बेरार, प्रमुख लेखा अधिकारी को कार्यभार से मुक्त कर दिनांक 29-11-1977 के अपराह्न में प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 4/78—श्री आर० एस० बेरार, प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर की तैनात भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के अगह पर होने पर उन्होंने श्री एम० टी० वाच्चासुन्दर की जिनका वित्त मन्त्रालय, (राजस्व विभाग) नई दिल्ली का पत्र सं० ए-22013/28 (एम)-77-सीआरसी (प्रशास०) दिनांक 30-9-77 द्वारा गोवा समाहृती क्षेत्र की स्थानातरण हुआ है, को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 30-11-1977 के पूर्वाह्नि में भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्रा,  
समाहृती

निं० एवं ले० प० निदे०

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 6/78—कानपुर समाहृती, (कै० उ० शुल्क) के निरीक्षक श्री मन मोहन माथुर को, जो कि इस समय निरीक्षण

व लेखा परीक्षा निदेशालय में पनिनियुक्त पर है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृती, इलाहाबाद द्वारा जारी दिनांक 10-1-78 के स्थापना आदेश सं० 5/1978 द्वारा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप ख के रूप में पदोन्नति किए जाने पर निरीक्षण श्रौत लेखा निदेशालय के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 17-1-78 (पुष्क्रिं) से, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क-व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप ‘ख’ नियुक्त किया जाता है।

श० वेंकटरामन,  
निरीक्षण निदेशक

### निर्माण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 33/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोद्धा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/-रु प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर निम्नलिखित के सामने दी गई तिथियों के (पूर्वाह्नि) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप ए) में नियुक्त करते हैं।

2. इन अद्योलिखित अधिकारियों को दो वर्ष फी अवधि के लिये परीक्षा पर दी गई तिथियों (के पूर्वाह्नि से) रखे जाते हैं।

सर्वेश्वी नाम	नियुक्ति तिथि	जहां वास्तुक की तैना- तिथि
1. दीपक रंजन सैन	1-12-77 पूर्वाह्नि	वरिष्ठ वास्तुक (उत्तरी अचल) मुख्य हंजीनिश्चर का कार्यालय, आर० कै० पुरम, नई दिल्ली।
2. एम० वी० कोरगांव- कर	19-11-77 पूर्वाह्नि	वरिष्ठ वास्तुक नई- दिल्ली, अंचल-3, नई दिल्ली।
3. ए० डब्ल्यू० पोनीकर	23-11-77 पूर्वाह्नि	वरिष्ठ वास्तुक आवास और नगर योजना-2, नई दिल्ली
4. वी० एच० कम्बले	28-11-77 पूर्वाह्नि	वरिष्ठ वास्तुक, नई दिल्ली अंचल-3, नई दिल्ली।
3. उपरोक्त वास्तुक अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तैना- तिथियों की दृकाई में नियुक्ति की जाती है।		

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 33/7/76-ई० सी०-९—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री एम० जे० वागमेरे को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में 700-रुपये प्रतिमास पर सामान्य शर्तों पर 10-1-78

(पूर्वांक) से उप-वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा समूह-ए) नियुक्ति करते हैं।

2. श्री बागमेरे 10-1-78 पूर्वांक से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखे जाते हैं।

डी० पी० ओहरी,  
प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1978

सं० 6/3/77-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री टी० आर० ओबेराय, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा थ्रेणी-2 में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 3-12-77 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ क्षमता में नियुक्ति करते हैं।

संतोष विश्वास,  
अवर सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 78/आर० ई०/161/1—सर्वेसाधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि 25 किलोवोल्ट ए० सी० विद्युत कर्षण चालू करने के संबंध में दक्षिण मध्य रेलवे के विट्रगुण्टा (सहित) से चिराला (सहित) खण्ड में सभी सम्पारों पर ऊंचाई के आमान लगा दिये गये हैं जो स्पष्ट रूप से सङ्केत की सतह से 15'-4" (4.67 मीटर) की ऊंचाई पर लगे हैं ताकि इससे अधिक ऊंचाई तक लदे हुए भार आदि वाले वाहन आदि विजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में न आ जायें या खतरे की सीमा तक निकटता में न आ जायें। एतद्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि वे वाहनों में स्वानन करते समय ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई आमान का पालन करें और किसी भी स्थिति में ऊंचाई आमान का उल्लंघन न करें।

अधिक ऊंचाई वाले भारों को निम्नलिखित खतरे हो सकते हैं:—

1. ऊंचाई आमान को खतरा जिसके परिणाम स्वरूप सङ्क और रेलवे लाईन पर बाधा उत्पन्न हो जायेगी।
2. वाहनों पर ले जाये जा रहे माल या उपस्कर अथवा स्वयं वाहन को भी खतरा हो सकता है।
3. विजलीयुक्त तारों के सम्पर्क में आने या खतरे की सीमा तक उनके निकट आने से आग लगने का खतरा और जान का जोखिम हो सकता है।

सं० 78/आर० ई०/161/1—रेल लाइनों और रेल परिसरों का उपयोग करने वाले सभी लोगों की साधारण सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित खण्डों पर जहां पर निर्माण कार्य प्रगति पर है वहां पर यि त्रोपरि ए० सी० 3—476GI/77

कर्षण तारों में 15-2-1978 से या इसके बाद 2. 2 के० वी० विद्युत धारा प्रवाहित कर दी जाएगी:—

1. ओंगोल से बिट्रगुण्टा—  
(संरचना सं० 292/5-6 से 211/13-14)
2. चिराला से ओंगोला—  
(संरचना सं० 341/31-32 से 292/5-6)

उस तारीख को श्रौत उस से आगे के लिए शिरोपरिकर्षण लाइनों को विद्युत युक्त समझा जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति इनके नजदीक नहीं आयेगा और न ही इनके नजदीक काम नहीं करेगा।

वी० मोहन्ती  
सचिव, रेलवे बोर्ड

पूर्वोंतर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय  
पाण्डु, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० ई०/55/III/96/ भाग-II (0)---श्री के० एल० अग्रवाल, जो बिजली इंजीनियरी विभाग में परिवेक्षाधीन के रूप में नियुक्त किये गये थे, को दिनांक 31-12-77 से अवर वेतनमान में सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

एम० आर० एन० मूर्ति,  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड  
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेलै वीनस लिमिटेड (इन लिकवीडेशन) के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 1919 लिकवी०/एस० 560 (5)/75---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेलै वीनस लिमिटेड (इन लिकवीडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिट हो गई है।

पि० अन्नपूर्णा,  
कम्पनियों का उप-रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना।

कटक, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० एल० 142/78-6208--कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और कलीना हंडस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 2 के 1975 में उड़ीसा उच्च न्यायलय के दिनांक 24-2-76 के आदेश द्वारा कलिना हंडस्ट्रीज लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० चलचित्र डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 414/6210 (2)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चलचित्र डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विधित हो गई है ।

डी० के० पाल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

नई दिल्ली-110001, दिनांक फरवरी 1978

मैसर्स डीलक्स क्यूरियोज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस ।

माननीय उच्च न्यायलय दिल्ली के दिनांक 19-10-1977 के आदेश से मैसर्स डीलक्स क्यूरियोज प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है ।

आर० के० अरोड़ा,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स अमेनिव रस शाण्डा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 5643/560(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अमेनिव रस शाण्डा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स अंडर राईटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अंडर राईटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 3112/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अंडर राईटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स हरीजाम सर्विस एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 15612/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स हरीजाम सर्विस एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी ।

ल्हि० वाय० राणे  
कम्पनियों के अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रूपमहल शियेट्रस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

शिलांग, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 1113/560/3816---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रूपमहल शियेट्रस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी ।

वेद प्रकाश कपूर,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
श्रासाम, मेघालय, मनीषुर, त्रिपुरा, इत्यादि शिलांग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बासद्रोनी ल्याफुडेवलपमेंट कं० लिमिटेड के विषय में ।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 26931/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बासद्रोनी ल्याफुडेवलपमेंट कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित

त किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सि० नाथ,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० एफ०-४८-ए० डी० (ए० टी०)/७७-भाग II—इस कार्यालय के दिनांक 8 नवम्बर, 1977 की समसंबंधिक अधिसूचना में आशिक आशोधन करते हुए श्री आर० डी० यादवेन्द्र, स्थानापन सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, इन्वॉर पीठ, इन्वॉर के त्यागपत्र को दिनांक 18 जून, 1976 (अपराह्न) से स्वीकार किया जाता है।

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० एफ० ४८-ए० डी० (ए० टी०)/७७-भा०-III—श्री आर० सी० श्रीवास्तवा, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण बम्बई, न्यायपीठ, बम्बई, अधिकारियों की आयु को प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

पी० डी० माथुर,  
अध्यक्ष

कार्यालय, आयकर आयुक्त

पटना, दिनांक 13 दिसम्बर, 1977

फा० सं० जी० सी० २-११-३/१९७४—एतद्वारा कर वसूली अधिकारी, भगलपुर प्रभार श्री डी० कुजर द्वारा उक्त कार्यभार त्यागने तथा आयकर अधिकारी, वार्ड-सी० भगलपुर का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से समाप्त किया जाता है।

सं० जी० सी०-२-११-३/७४—इस कार्यालय के आदेश सं० ए० सी० आई० टी०/जी० एल० आठ 14/७१-७२, दिनांक 24 फरवरी, 1973 तथा समसंबंधिक आदेश दिनांक 6 सितम्बर, 1974 और सं० जी० सी० २-११-३/७४, दिनांक 28 जुलाई, 1977 तथा कर वसूली अधिकारी, भागलपुर के प्रभार के समापन के परिणाम-स्वरूप एतद्वारा यह निवेश दिया जाता है कि कर वसूली अधिकारी, भागलपुर प्रभार समाप्त होने की तिथि से कर वसूली अधिकारी-II पटना, भागलपुर, संथाल परगना, मुंगेर श्री बेगुसराय जिलों के मामलों पर भी क्षेत्राधिकार धारण करेंगे।

ए० के० दास गुप्ता,  
आयकर आयुक्त, बिहार-1 तथा-II  
पटना

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

आदेश सं० 125/रा० अ०/1977-78

विषय:—स्थाना—राजपत्रित-पदोन्नति-आयकर अधिकारियों की तैनाती और स्थानातरण :

सं० ई०-१/पदोन्नति/आय० अधि०/७७-७८/श्रेणी०-२/३१९६५—  
श्री एस० एल० बहल निरीक्षक को अगले आदेश होने तक र० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० र० ३५-८४०-४०-१०००-द० र० -१२०० के वेतनमान से आयकर अधिकारी (श्रेणी०-२) के पद पर काम करने के लिये उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नति किया जाता है।

यह पदोन्नति श्री सी० एल० सोनी के निलंबित किए जाने के कारण हुई अस्थायी रिक्ति पर की जा रही है किन्तु यह पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० सं० ६५२, 1977 के सी० डब्ल्य० पी० ३४१ के संबंध में न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होगी।

यह स्पष्ट किया जाता है कि संबंधित अधिकारी के ड्यूटी पर वापस आने या पुनः बहाल किए जाने पर, यदि उस समय कोई दूसरी नियमित रिक्ति न हुई तो पदोन्नति अधिकारी को निरीक्षक के पद पर वापस जाना होगा।

उनकी पदोन्नति के परिणामस्वरूप आयकर अधिकारि विभिन्न निम्नलिखित तैनाती और स्थानातरण तत्काल करने के आदेश दिए जाते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानातरण के बाद तैनाती	
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	एल० एल० बहल पदोन्नत होने पर	श्री ए० सी० सेठी (स्थानांतरित)	के स्थान पर सी० आई० टी० ३ को उनकी सेवायें सौंपी जाती हैं।	
2.	ए० सी० सेठी	आयकर अधिकारी उनकी सेवायें सी० आई० डि०-५(१५) अति० टी०-४ को सौंपी जाती हैं।	नई दिल्ली।	
3.	ए० पी० जैन	आयकर अधिकारी श्री एस० एस० राणा (श्री० एस० डी०-२) न० दि० ।	(स्थानांतरित) के स्थान पर उनकी सेवायें सी० आई० टी०-३ को सौंपी जाती हैं।	

1	2	3	4	5
सर्वथी				
4. एस० एल० राणा आयकर अधिकारी	जूनियर ए० आर०			
डि० 10 (9) न०	आई० बोर्ड के आदेश			
दिं० ।	सं० टी० ए० टी०,			
	नई दिल्ली, एफ० सं०			
	ए०-२२०१३ /३ /७७			
	एडी०-६, दिनांक			
	३०-१-१९७८ के अनु-			
	सार ।			

श्री दुर्गेश शंकर की कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय अधिकरण, नई दिल्ली के पद पर तैनाती, जो इस कार्यालय के दिनांक 26 अगस्त, 1977 के सं० ई०/१००-स्था०/आय० अधि०/७७-७८/खण्ड-३/५३१६ के अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों सं० ६७/रा० श्र०/१९७७-७८ द्वारा की गई थी, रद्द की जाती है ।

क० न० बुटानी  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-१,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1978  
आयकर

सं० जुरि/दिल्ली/४/७७-७८/४२०१४—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-४, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, पांचवां अतिरिक्त सर्वे सर्किल-३, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, पहला अतिरिक्त सर्वे सर्किल-३ के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा । किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे जाएं ।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आयुक्त, दिल्ली-४ निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-३ए को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अनेकित है, आदेशों को भी पास करें ।

यह अधिसूचना 30-१-१९७८ से लागू होगी ।

सं० जुरि/दिल्ली/४/७७-७८/४२१३४—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-४, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, चौथा अतिरिक्त सर्वे सर्किल-३, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, सर्वे सर्किल-३ के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा । किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं ।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयकर आयुक्त, दिल्ली-४ निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-३बी, ३सी तथा ३डी को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अनेकित है, आदेशों को भी पास करें ।

यह अधिसूचना 31-१-७८ से लागू होगी ।

सं० : जुरि/दिल्ली/४/७७-७८/४१८९३—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त-४, नई दिल्ली निवेश देते हैं, कि दिल्ली-४, प्रभार नई दिल्ली में 30-१-१९७८ से निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्किल बनाए जायेंगे :

1. पांचवां अतिरिक्त सर्वे-सर्किल-३, नई दिल्ली ।

सं० : जुरि/दिल्ली/४/७७-७८/४२४१७—इस कार्यालय की दिनांक 19-४-७७ की अधिसूचना एफ० संख्या : जुरि/दिल्ली/४/७७-७८/१४७६ में आंशिक संशोधन करते हुए, तथा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-४ नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम (१) में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, उसी अनुसूची के कालम (२) में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों या मामलों के वर्गों में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
१	२
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-३ए, नई दिल्ली ।	१. डि० ३(१), ३(२), ३(७) ३(७) अतिरिक्त ३(१४), पहला अतिरिक्त, ३(३०), ३(३२), तथा ३(३४) नई दिल्ली ।
	२. निष्कांत सर्किल, नई दिल्ली ।
	३. पहला अतिरिक्त सर्वे सर्किल-३ नई दिल्ली ।
	४. पांचवा अतिरिक्त सर्वे सर्किल-३, नई दिल्ली ।
	५. अधिनियम की धारा 125 के अन्तर्गत निरीक्षीय सहा- यक आयकर आयुक्त को पहले ही सौंपे गए हैं इस प्रभार के डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के मामले भी ।

यह अधिसूचना 31-१-७८ से लागू होगी ।

ए० जे० राणा,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-४,  
नई दिल्ली ।

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269८(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

आजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1315(633)/1-1/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269८-ख  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4067-ए, शाहपुर वार्ड- , है  
जो कल्याणी वार्ड, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक फ  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की आवत उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्र प्रतिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर ;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रन-  
तरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269८ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, पर्याति :—

(1) श्री अहमदाबाद असी, क्लिमिजी, कल्याणी वार्ड,  
खानपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री फखरुद्दीन हुसेन अली क्लिमिजी, कल्याणी वार्ड,  
खानपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी भून्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही प्रयोग होगा, जो उम प्रध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सिटी सर्वे नं० 4067-ए है तथा  
जो शाहपुर वार्ड-II, कल्याणीवार्ड, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित  
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जून 1977 बाले बिक्री दस्तावेज  
नं० 4099/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
आजन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 6-2-78

मोहर :

प्रलूप आई० श्री० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० आर० पी० सी० 202/77-78—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 1 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपावन्द प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दो हैदराबाद डिस्प्लेसेंट परसन्स हाउसिंग कोर्पोरेटिव सोसाइटी हैदराबाद जिसका भागीदार मूलचन्द है (अन्तरक)

(2) 1. दौलतराम धेनदल मल घर नं 5-9-24/70 धेनदल राऊ बशीर बाग हैदराबाद  
2. श्रीमती बनीता पत्नी दौलत राम (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 1 बशीर बाग हैदराबाद के पास है घर नं० 5-9-30/1 विस्ते 377 वर्ग मीटर है रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1638/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

माहर :

प्रकल्प ग्राइंड टी० एन० एस०—

(1) दो हैदराबाद डिस्प्लेस्ड परसन्स कोपरेटिव सोसाइटी  
मिकन्डराबाद (अन्तरक)प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना(2) कीमानदास जगत राम 21-7-84/2 रामसीबाजार  
हैदराबाद-2। (अन्तरिती)भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 203/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बैंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
है से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-6-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वहीं पर्यंत होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;प्लाट नं० 8 घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद विस्ते  
318 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1639/77 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।के० एस० बैंकटरामन,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादभतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख: 4-2-1978  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 204/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु  
से अधिक है।  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) द्वी हैदराबाद डिप्लेसमेंट परमन्स कोपरेटिव सोसाइटी  
मिकन्डराबाद जिसका अधिकारी मूलन्दद है (अन्तरक)

(2) श्री धेनद पोता रामधेनद धर नं० 21-2-1982/2  
हैर्कोरड रास्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद  
किसी इन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, [के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली सतानं० 10 धर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1640/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एस० वेक्टरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 205/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री करने अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या उसका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट परसन्स कोपरेटिव सोसाइटी  
सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

(2) बनसीलाल पिता राम चन्द्र धर नं० 21-1-982/6  
हैकीरट रास्ता हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन की अवधियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन प्लाट नं० 11 वर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद में विस्ते 286 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1641/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1978  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० 206/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बैंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जितकी सं० प्लाट नं० 12 है, जो बणीर बाग में स्थित है  
(प्रौढ़से उपाबद्ध पनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,)  
रजिस्ट्री फर्टी ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रा नियम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
कृप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने की  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
प्रर्थतः—

(1) दी हैदराबाद डिस्प्लेसमेंट परमन्त्र हाउसिंग कोआपरेटिव  
सोसाइटी सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) बली राम क्याराम घर नं० 1091/5 वेस्टेंटेब्लॉवर  
कालोनी नारायणगज—हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस प्रध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० प्लाट नं० 12 घर नं० 5-9-30/1 बणीर  
बाग हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1642/77 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० नं० 207/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

(1) दी हैदराबाद डिस्प्लेसमेंट परसन्स हाउसिंग कोपरेटिव सोसाइटी सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द पिता पुरुषोत्तम दास घर नं० 21-1-650 रकाब गंज हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद बिस्के 325 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1643/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० नं० आर० पी० सी० 208/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है, जो बाहिर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-६-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

(1) हैदराबाद डिस्प्लेसमेंट परसन्स हाउसिंग कोपरेटिव सोसाइटी सिकम्बराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कास्ता पती गर्जुन दास समताप धर नं० 3-6-547/5/2 होमाय नगर हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 13 धर नं० 5-9-30/1 बाहिर बाग हैदराबाद बिस्ते 432 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1644/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सभम प्राधिकारी,  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1978

मोहर :

प्रख्यात प्राइवेट ट्री. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं. आरा० पी० सी० 209/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. प्लाट नं. 5 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-6-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;प्रतः, धन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपबारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --(1) दी हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट परसन्स हाउसिंग कोपरेटिव  
सोसाइटी सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री बलीराम द्वाराम घर नं. 5-3-844/7/13  
मालाकुनटा हैदराबाद मालिक होटल इम्पीरीयल  
नामपती, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।कुल जमीन नं. 5 घर नं. 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद  
में है बिस्ट्रे-281 वर्ग मीटर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में और  
दस्तावेज नं. 1740/77।के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2 1977

मोहर:

प्रख्याप प्राइंट ट्रॉनॉ एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1977

सं० नं० 210/77-78—यतः मुझे के० एस० वेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हप्ते से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 8 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट मे स्थित है (श्रीर इससे उपाद्व अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल

का पन्नह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रीर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आय किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(1) श्री वीश्वनु बुमल शहानी पिता बुमल गुतेवार "पुनम निवास कलर भवन सिकन्दराबाद—हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल घर नं० 55 जिला सिकन्दराबाद-3 (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

प्लाट नं० 8 दूसरा मर्जिल पर घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 950/77 सब-रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद मे।

के० एस० वेकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 211/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 4 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमति में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपदारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

(1) श्री विश्वासु वद्धुमल शाहनी मुतेदार "पुनम निवास"

सोमाजीगुडा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अबुतपली कमला पत्ती ये बैंकटरतनम घर नं 10-18-290 भवानी नगर तीर्हपती (ए० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लाट नं० 4 पहला मंजला पर—घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 977/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद।

के० एम० वेंकट रामन,  
समक्ष अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 212/77-78—भतः मुझे,  
के० ए० वैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लाट नं० 2 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए:

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चातः—

(1) श्री विश्वनु बाबूमल शहानी मुतेदार "पुनम निवास" सोमाजीगड़ा—हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री के० एस० आर० मूरती, मारफत के० के० राउ प्लाट नं० 19 दीलसुक नगर कालोनी-5 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा' जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 2 पहली सता पर घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० पी-656/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० ए० वैंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० आरा० ए० सी० नं० 213/77-78—यतः मुझे, के० एस०  
बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
5—476 GI/77

(1) विणु बहुमल शहानी गुतेदार "पुनम निवास"  
सोमाजीगुडा—हैदराबाद (अन्तरक)  
(2) श्रीमती तारा बेन पती काकुभाई तककर घर नं० 34  
सत्यानारायनपुरम हैदरेब्रस्ती, सिकन्दराबाद  
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 दूसरी मंजिल पर घर नं० 1-11-251/5  
बेगमपेट, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० पी 652/77  
उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० नं० 214/77-78—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32 का भाग है, जो नारायणगुडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बी० एल० नारासिन्हा राओ, मकान नं० 3-6-750/D हिमायतनगर हैदराबाद (2) वी० पी० भारद्वाजा मकान नं० 3-6-750/D हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. सर्वश्री मोटे वेनकटेश पिता लक्ष्मण्या मकान नं० 14-3-45 गोणमहल हैदराबाद 2 बालक मलेश/मकान नं० 1-3-1062/5 कवाडी गुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

पडमरमरा भाग प्लाटनं० 32 श्री वेनकटेशवर हाउसिंग सोसाइटी कालोनी नारायणगुडा, हैदराबाद वीस्टर्न 223-3 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1516/77 सब रजिस्ट्रर हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 215/77-78—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32 का भाग है, जो नारायणगुडा में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, [हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री बी-मल नरसीमारयाड और बी० पी० बरदबाघ घर नं० 3-6-750/झी हीमायत नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोते बेनकटया 14-3-45 गीर्णमहल

2. बलकी मलेश 1-3-1062/5 कवाड़ीगुडा, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन प्लाट नं० 32 का भाग है तुर्प भाग श्री बेनकटेशवर हाउसिंग सोसाइटी कालोनी नारायणगुडा हैदराबाद दरजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1517/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बंगलूर दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/10472/77-78/एसीक्यू/बी  
यत: मुझे, जे० एस राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 और 9 हैं तथा जो बालटन रोड़, बैंगलूर में  
स्थित हैं (और इससे उपाहृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
हैं), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 9-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती तलमा फरनांडीस पत्नी मेजर एम० ए०  
फरनांडीस नं० 9, बालटन रोड़, बैंगलूर, 2. डा० मैखेल  
विनसेट फरनांडीस सुपुत्र मेजर एम० ए० फरनांडीस  
रेप्रेसेंटेव बै० डकासटा 31/1 एम० पी० रोड़ बैंगलूर-।  
(अन्तरक)

(2) द आल कॉनसियन सोसाइटी मै० डकासटा और  
डकासटा, 31/1, एम० जी० रोड़, बैंगलूर-।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 623/77-78 तारीख 9-6-77)

नं० 8 और 9 बालटन रोड़, बैंगलूर।

बांध : उः दूसरा का

दः

पूः बालटन रोड़

पः कनसरवन्सी रोड़

जे० एस० राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 2-2-78

मोहर :

प्रेस्प्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1978

निवेश सं० सो० आर० नं० 62/ 10536/77-78/ एक्य०—  
यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4 और 5 हैं, तथा जो लोग फोरड गारडन्स, लोग  
फोरड टीन, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपरावह  
अनुसूची में शायद पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/6/1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती जी० रत्नवल्ली अम्माल, पत्नी पी० एस०  
गोपाल कृष्ण नं० 6, बरटन रोड, सिविल स्टेशन,  
बैंगलूर-25 और 'कृष्ण' त्यागराजन रोड, मद्रास-17  
(अन्तरक)

(2) श्री आनंदपुर द्रस्ट श्री आनंदपुर तेहसील अशोकनगर  
गुना डिस्ट्रिक्ट (एम०पी०) रोडेंड म श्री बै० विविल  
दास सुपत्र उत्तमचंद चावला, श्री आनंदपुर क्षेत्र,  
बैंगलूर ।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 646/77-78 ता० 10-6-77)  
नं० 4 और 5 लोग फोरड गारडन्स, लोग फोरड टीन, बंगलूर  
(डि० नं० 60)

बांध :

उ : नं० 3ए

द : नं० 6

पू : दूसरा का

प : लोग फोरड गारडन्स रोड

जे० एस० राव  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर।

दिनांक : 2-2-1978

मोहर :

प्रख्युप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी आर नं० 62/11166/77-78/एक्यू/(0)—  
यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 17-17-1334-एक्स, 133-4ए, 1334-बी  
है, तथा जो 17 फलनीर वारड, अट्टावर विलेज, मंगलूर, (S.K.  
Distt) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर  
सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 21/6/67

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
पा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के उपधारा (1) के  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मैकेल सैरिल फ्रेडरिक सासकारिनहास  
सुपुत्र स्वं० आलवरट मासकारिनहास इंजीनियर  
स्ट्रुरैक रोड, फलनीर, मंगलूर टौन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनदा बिं० कामत पत्नी श्री बालकृष्ण० आर०  
कामत नं० 17-17-1334, फलनीर, मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 232/77-78 दिनांक 21/6/77)

आर० एस० नं० टी० एस० नं० किसाम पोरशन एक्स्टेंट  
780-2बी 708-2बी गारडन उत्तर निबाग 37 सेंट्स सारा संपत्ती  
का ऊर नं० 17-17-1334, 1334-ए, 1334-बी 17  
फलनीर वारड, अट्टावर विलेज, मंगलूर, (एस० के० फि०)  
बांधः

उ : रोड

द : पोरशन आफ सेम सरवे नं०

पू :

प : सरवे लैन

जे० एसराव०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 3-2-1978

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/11376/77-78/एक्य० (दी)

—यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 2/1ए है, तथा जो मेडिकल कालेज ईस्ट मैन रोड में स्थित है (प्रौद्योगिकी विद्यालय से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्लासी पालयम, बंगलूर वस्तव वारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30/6/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ब्रूई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 वा के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 वा की अधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्याप्ति:—

(1) श्री सी० एम० कालिमूला खान नं० 10 बरली स्ट्रीट काम, लांग फोरड, टौन, बंगलूर-25  
(अन्तरक)

(2) राथेल एलन रामू पत्नी डी० एम० रामू नं० 2, कारनवेल रोड, लांग फोरड टौन बंगलूर-25  
(अन्तरिती)

(3) मैमर्स रापटाकास ब्रेट और कंपनी लिमिटेड, 2/1ए मेडिकल कालेज ईस्ट मैनरोड, क्लासी पालयम, बंगलूर-2  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 688/77-78 ता० 30/6/77)  
गं० 2/1ए, मेडिकल कालेज ईस्ट मैन रोड, क्लासी पालयम, बंगलूर-2

### बांध:

पू० : सि० एम० आलिमूला खान  
पृ० : सि० एम० अब्दुल रहमान खान  
उ० : एम० एस० मोटाम सरबीस रोड  
दू० : दूसरा का

जे० एस० राव  
क्लासी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 2-2-78

मोहर:

प्रस्तुत आई० टो० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक  
रोहतक, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश नं० एकटोवी/5/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० भूमि 22 कनाल 6 मरला है तथा जो रतीया नहि० फतेहबाद मे० स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फतेहबाद मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1977 को पूर्वोक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मे०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पिरथा० राम पुत्र श्री आनन्द राम, श्री टेक-चन्द पुत्र श्री पिरथी गम मारकत म० रवीन्द्रा जनरल स्टोर नगू बम स्टैण्ड, रतीया तहि० फतेहबाद (अन्तरक)

(2) श्री रजीब कुमार, अरविन्द कुमार पुत्रान श्री मोहन लाल, श्रीमती मिथला देवी धर्मपत्नी श्री मोहन लाल मारकत म० सेतीया राइम मिलज, रतीया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क मे० परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 22 कनाल 6 मरला जो कि रतीया मे० स्थित है “सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 570 मे० दी गई है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मे० 19-5-1977 को लिखी गई।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 6-2-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय, रेज, मोनोपत रोड, रोहतक  
गोहनवा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेदा स० एफ०टी०बी०/6/77-78—ग्रामकर, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिस की स० जमीन 22 कनाल 7 मरला है तथा जो रतीया तहि० फतेहबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फतेहबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की प्रारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-476GI/77

(1) श्री धर्मपाल, लक्ष्मन दास पुत्रान श्री पिरथी राम मारफत रवीन्द्रा जनरल स्टोर न्यू बम स्टैण्ड, रतीया तहि० फतेहबाद  
(अन्तरक)

(2) मै० रजीव इन्ड्रप्राईज़ज़ काटन चिनिंग, प्रैसिंग और जनरल मिल्ज रतीया तहि० फतेहबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन 22 कनाल 7 मरला जो कि रतीया में स्थित है—  
"(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 572 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 19-5-77 को लिखी गई है।)

रविन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती श्रीदेवी कोविलम्मा

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री (i) वी० एम० यूसफ  
(ii) वी० एन० ऊमान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम  
कोच्चिन-15, दिनांक 6 फरवरी 1978निदेश सं० एल० सी० 168/77-78 —यतः मुझे  
सी० पी० ए० वासुदेवन  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक हैऔर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कार-  
पोरेशन में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-6-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
नाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।उपष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5.35 cents of land and shop cum lodge building bearing  
13-368 to 13/374 and 13/392, Palayam Road, Calicut.सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलमदिनांक : 6 फरवरी 1978  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—-----

(1) (i) श्री मलिकार्जुनप्पा गंगप्पाबैकाड़,  
(ii) प्रभु मलिकार्जुनप्पा बैकाड़, कमिसेन एजेंट,  
बिजापुर  
(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सवणूर बिल्डिंग धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश स० 204/77-78/अर्जन—यतः, मुझे छिं सि० सिं  
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी का यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सिं एस० न० 1134/50, है, जो तीसरा बार्ड,  
बिजापुर, मे० स्थित है (और इससे उपाकड़ अनुसूची मे० और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बिजापुर अंडर डाकुमेंट न० 792 मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दि० 29-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरितो)  
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे०  
कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसो किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
ग्रायनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

(2) श्री सिवलिंगप्पा गोडा सिवरायगौडा पोलिस पाटील,  
मार्फत मेरसर दिग्गज पाटिल और क० कमिसेन एजेंट  
ए० पि० एम० सि० यार्ड, बिजापुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे०  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित मे०  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त माद्दों और पदों का, जो उक्त अधि०  
नियम, के ग्रायाय 20क मे० परिभाषित हैं, वही  
पर्यंत होगा जो उस ग्रायाय मे० दिया गया है।

अनुसूची

स्थानिक आस्ति ए० पि० एम० सि० के यहां है। न० सि०  
ए० 1134/50, एकत 1643. 3/9 स्कार यार्ड है।

डि० सि० राजागोपालन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक : 4 फरवरी 1978

मोहर :

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
मे० मे०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, सवणूर विल्डिंग धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० 205/77-78/ग्रन्जन—यतः, मुझे, डि० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस को सं० मि० एम० नं० 1134/50 है, जो तीसरा बार्ड, विजापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजापुर अंडर डाकुमेट नं० 713 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन डि० 29-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, ग्रथात्:—

(1) (i) श्री मलिकार्जुनप्पा, गंगप्पा बैकोड,  
(ii) प्रभु मलिकार्जुनप्पा बैकाड, कमीशन एजेट  
बीजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री सता रेड्डि मडिवालप्पा दिग्गवि, मार्कत मैसर्स देगवावि पाटील और क० कमीशन एजेट, प० पि० एम० सि० यडि, विजापुर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानीय आस्ति ए० पि० एम० सि० के यहाँ है। नं० सि० एस० 1134/50, एकत्र जागा 1643.3/9 एकार यार्ड है।

डि० सी० राजागोपालन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेज, धारवाड़।

दिनांक: 4 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० 206/77-78/अर्जन—यतः मुझे डि० सी० राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सि० एस० नं० 1134/50, है, जो तीसरा बार्ड बिजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिजापुर अंडर डाकुमेंट नं० 794 दिनांक 29-6-77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री 1. मलिकापुनप्प गंगप्पा बौकाडे, 2. प्रभु म० बौकाडे, कमीसन एजेंट, बिजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रशेखर भीमराव दिग्गजावि मार्फत मेसर्स दिग्गजावि पाटिल और कं० कमीसन एजेंट, बिजापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानीय आस्ति ए० पि० एस० सि० के यहां है। परिया 1643-3/9 यार्ड है।  
संख्या सि० एस० नं० 1134/50डि० सी० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक: 4 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश स० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/920—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 13-6-67 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाष्पत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री दानबीर आर० बी० राज्य भूषण सेठ तिलोक चन्द्र कल्याणमल दिग्म्बर जैन परमार्थिक संस्था (Trust) 47, शीतलामाता बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री कनकमल पुत्र श्री सौभाग्यमल जी, (ii) श्रीमती बदामी बाई पत्नी श्री कनकमल जी सिध्वी, दोनों निवासी 14, मोरास अली गली, इन्दौर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नम्बर, 58, (नया नं० 377), गोरा कुंड, एम० जी० रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एग०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/921--

अतः, मुझे रा० कु० बाली

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा०  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर  
इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० को उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्याति:—

(1) (1) श्री राम नारायण नागू पुत्र श्री उत्तम नारायण  
नागू (ii) श्रीमती उमिला नागू पत्नी श्री राम-  
नारायण नागू (iii) श्री रमन नागू (iv) श्री राजेश  
नागू (v) श्री राकेश नागू सभी पुत्र श्री रामनारायण  
नागू, सभी निवासी "गुलनार" श्यामला हिल्स,  
भोपाल।"

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम देवी अग्रवाल पत्नी श्री बी० के०  
अग्रवाल निवासी 158, साकेत नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4/6, पलामिया स्ट्रीट नं० 22, इन्दौर।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 30 जनवरी 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० ट्री० एन० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-य(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/925—  
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० खुली भूमि है, जो खरगौन में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगौन में रजिस्ट्री-  
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक  
के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की  
उपराख (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अधितः—

(1) (i) श्री मोती लाल (ii) श्री निरंजन लाल (iii) श्री  
राम गोपाल (iv) श्री राम किशन (v) श्री महेश  
प्रमाद सभी पुत्र श्री पोखरमल अग्रवाल सभी  
निवासी खरगौन।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री मांगीलाल (ii) श्री ओमकार पुत्र श्री  
गंगाराम गुजराती, निवासी ग्राम गंगवा, खरगौन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली भूमि पी० एच० नं० 36, ब्लाक नं० 7, ग्रुप नं० 2,  
सनावद रोड, (टैगौर पार्क कालोनी), खरगौन।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/922—  
अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो भोपाल में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्री-  
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-476 GI7/77

(1) श्री डा० महेश्वर कुमार पुत्र श्री धरम दास जी  
निवासी 16/1 साउथ तुकोगंज, इम्फौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदारी लाल शर्मा पुत्र श्री गोपालराम शर्मा  
दारा बीनू पेटनेस, इन्डस्ट्रीयल स्टेट, गोविन्द  
पुरा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० ई-1/55, अरेरा कालोनी, भोपाल।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा  
26९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश स० आई० ए० सी० एस्टो०/भोपाल 77-78/924—  
अत, मुझे रा० कु० बाली,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 26९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थाना० सम्पत्ति गिराव। उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपया में अधिक है  
और जिस वी स० मात्रान वै जो उन्दौरे पे रिश्त है (और  
इससे उपावर अन्गूजी मे अैर पूण वे एप मे वर्णित हैं)  
रजिस्ट्रीर्टरी रजिस्ट्रारी के कार्यालय उन्दौरे पे रजिस्ट्रोइन  
अधिनियम 1908 (1908 का 1,) के अधीन २७ (-७७  
पूर्वोक्त सम्पादन के उचित बाजार मूल्य से राम के दृश्यमान  
प्रतिपत्र के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझ यह विश्वास  
करते हा लारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल था, एमे दृश्यमान  
प्राप्तिफल वा उन्दूरे प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियो) के शीघ्र एमे  
अन्तरण के लिए यह पाण गया इतिहास निर्णयित्वित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण। उन्हिते पे वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की धारा उक्त  
अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथे अन्तरिक्षी द्वाग प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपान  
मे जिधा के लाए,

अत अब उक्त अधिनियम, का धारा 26९-ग के  
अन्तरण भ मे उक्त अधिनियम को धारा 26९-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निन्ता 1977 व्याप्ति, अर्थात् —

(1) श्री लाल चन्द श्री जयचन्द बोनो पुत्र श्री सेरमल  
जी स्थित 14 नार्थ राज मुहल्ला गली न०  
7 इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारका दाण जमनादाम नेमा स्थित 396  
एम० जी० रोड इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियो करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी शाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
मे 45 दिन की अवधि या तस्वीरधियो पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित मे किये जा सकेंगे;

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित ब्लाक न० 443 एम मकान न० 14  
गैलरी न० 7 नार्थ राज मुहल्ला (पाटी) इन्दौर।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 31 जनवरी 1978

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन गृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एकवी/भोपाल/77-78/926—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है जो इन्दौर में थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीक्युल अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों को जिस्में भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरुः—

(1) श्री लाल चन्द्र व जय चन्द्र दोनों पुत्र श्री सेरूमल जी निवासी 14, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर  
(अन्तरक)

(2) श्री नवनातलाल हरीकिशन नीमा, निवासी जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आधेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममाप्त दोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ब्लाक नं० 443, म्युनिसिपल मकान नं० 14, स्ट्रीट नं० 7, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर। (भाग)

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/927—  
अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दावित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथै  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः—

(1) (i) श्री लाल चन्द्र (ii) श्री जय चन्द्र दोनों पुत्र श्री  
सीरुमलजी निवासी 14, नार्थ राज मोहल्ला,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री श्याम (ii) श्री मधुर मनोहर पुत्र श्री  
बारकादास नीमा निवासी 396, एम० जी०  
रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

उल्लेक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 443, मकान नं० 78, गली नं० 7, स्थित  
नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/ 77-78/928—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वां  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-6-77 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के मन्त्रकर के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य भास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269 वां के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) (i) श्री लाल चन्द, (ii) श्री जयचन्द दोनों पुत्र श्री सी-  
मल जी निवासी-14, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।  
(अन्तरक)

(2) श्री गुलाब चन्द हरीकिशन नीमा, निवासी 8, जूनी  
बमेरा बाखल, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रब्लेम 20क में परिभासित है, वही  
पर्याय होगा, जो उस प्रब्लेम में दिया गया है।

मनुसूची

ब्लाक नं० 443, मकान नं० 7, नार्थ राजमोहल्ला, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
मकान प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 31-1-78  
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश स० आई० ए० सी० प्रक्षी०/भोपाल/77-78/923—  
श्रतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी स० कृषिभूमि है जो, ग्राम सावरो, मे० स्थित है (और  
उसे उत्तरांशन सूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-7-77 वा०  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अन्तर्भृत :—

(1) रामभाऊ पुत्र श्री सखाराम औधरी निवासी सावरो,  
तह० सौसर, जिला-छिन्दवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री दामोदर पुत्र श्री बिहारी लाल जी व्यास निवासी-  
पी० श्रो० वेरड़ी, तह० सौसर, जिला-छिन्दवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे०  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहताधारी  
के पास लिखित मे० किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे०  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 2.509 हेक्टेयर खसरान न० 333,  
बियरिंग न० 386, स्थित ग्राम सौवरो तह० सौसर व जिला-  
छिन्दवाड़ा।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 30-1-78

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978निदेश स० आई० ए० स०० एक्वी०/भोपाल/77-78/9१९—  
अतः मुझे रा० कृ० बाली,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० ८० लाट है जो उन्दोर में स्थित है (और इससे उपावड़  
ग्रन्तुमूली में और पूर्ण शर्य में वर्णित है). रजस्ट्री नॉर्ट अधिवारी  
के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 4-7-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(1) श्री अमृत लाल पुत्र श्री छगनलाल संचानिया निवासी—  
45, वन्नभनगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोरीणार पुत्र श्री गोपीनालजी गर्मी, निवासी—  
12/2 ऐस कोस रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

प्लाट नं० 162, कमत बाग, मेन रोड, इन्दौर।

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये।रा० कृ० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
महाप्रक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख 30-1-1978

मोहन

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थान (1)  
के अधीन निम्नलिखित अनिया, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश स० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/929—

अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी म० खुला प्लाट है, जो इन्दौर मे० स्थित है (और इसमे० उपाबढ़ अनुसूची मे० और धूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे० रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भीमदेव राव मार्तण्ड राव भागवत, (ii) श्रीमति कुमुदनी, (iii) विरन, (i) कुमारी गृहवला, सर्वी निवासी-12 मीरा पथ इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सोमानादेवी पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन, स्थित-4/5-एम, जवाहर नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्वादी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि आद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे० हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लाट नं० 6-अ भाग पर स्थित मीरापथ, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 31-1-78.  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती भगवती बाई पत्नी स्व० श्री गौरीशंकर, निवासी 150, जगदीश भवन, स्मारक पथ, लार्ड-गंज, जबलपुर । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ऑफ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एकवी०/भोपाल/77-78/930—  
अतः मुझे, रा० कु० बाली,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, जबलपुर, में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 20-6-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना आहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

8-476/GI 77

(2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री बिसन लाल चौकसे, निवासी-  
खापा, जबलपुर । (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित है, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1682, प्लाट नं० 125 स्थित राईट टाउन, गोल  
बाजार, जबलपुर ।रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख : 4-2-78  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन धोत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-७८/९३१—

म्रतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फर्जित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सक्कट बाई फरिशता, पत्नी श्री राजबश्ली फरिशता, निवासी बैरन बाजार, रायपुर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री छोटेलाल राठौर, (2) श्री माखनलाल राठौर, बोनों पुत्र श्री मुश्लाल राठौर, (3) श्री मुकुन्द लाल राठौर, (4) श्री चन्द्रप्रकाश राठौर, बोनों पुत्र श्री छोटेलाल राठौर, (5) श्री सुरेश चन्द्र राठौर, पुत्र श्री माखनलाल राठौर, सभी निवासी राठौर चौक, रायपुर।  
(अन्तरिती)

3. मैसर्स विनार रेस्टोरेंट एण्ड बार, रायपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग व भूमि धोत्रफल 1084 वर्गफुट जिस पर मैसर्स विनार रेस्टोरेंट एण्ड बार स्थित है, जोकि पंजाब नेशनल बैंक के पास रायपुर में स्थित है।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख : 4-2-1978  
मा०

प्रख्यात भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० 1031 ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7486—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल विनियोजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनियोजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के प्रमुखरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन विनियोजित व्यक्तियों, पर्वत :—

(1) फौजा सिंह पुत्र सच्चा सिंह, अवतार सिंह एवं भगत सिंह पुत्रण हजारा सिंह, सरजीत सिंह एवं अजमेर सिंह पुत्र फौजा सिंह, हजारा सिंह पुत्र खुशाल सिंह, निवासी ग्राम व पोस्ट निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) हरखन्स सिंह, कुलवंत सिंह, निर्मल सिंह एवं जरनेल सिंह पुत्र दर्यन सिंह निवासी निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता करी जाने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 36 वीधा 9 विस्ता एवं 5 विस्तासी खसरा नं० 341 एवं 365 स्थित निरंजनपुर परगना ज्वालापुर जिला सहारनपुर 35500 रुपये के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेजन, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश नं० 1039ए/अर्जन/देहरादून/7778/7487—

अतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक हैऔर जिसकी म० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-  
लय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1977को पूर्वान्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वान्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मान्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 अ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की  
धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—(1) श्रीमती सरला वालिया पत्नी बी० जे० सिंह  
निवासी हौज खास नई दिल्ली  
(अन्तरक)(2) श्रीमती सेमलन उल्मा राकरा पत्नी टी० आर०  
राकरा निवासी लेह लद्दाख (ज० क०)  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वान्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाप्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्वित व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अन्तर्ल सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3 कुटियो सहित स्थित  
लगभग 3 किलोमीटर दूर राजापुर रोड़ देहरादून से  
32,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेजन, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० 1202ए/अर्जन/कानपुर/7778/17488—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है,और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 15-7-77को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के प्रतीत निम्नलिखित व्यक्तियों, जरूरि :—(1) श्री हरसुखराय नवीनेधराय कामदार पुत्र नवीनधर  
राय त्रिभुवनदास कामदार नि० 78/279 लाटूश  
रोड, कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा देवी पत्नी भगवान दीन वाजपेयी  
श्रीमती रामा देवी पत्नी सुरेण कुमार वाजपेयी  
अनिल कुमार वाजपेयी प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार एवं  
विनोद कुमार पुढ़गण भगवानवीन वाजपेयी निवासी  
सरा परगना अकबरपुर, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भासित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 78/279 लाटौची रोड कानपुर  
1,25,000) के बिक्री मूल्य में बेची गई।आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुरदिनांक : 30 जनवरी 1978  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

मिंदेश सं० 1030ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7498—अतः  
मुझे आरा० पी० भार्गव

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :—

(1) श्री कौजा सिंह पुत्र सुच्चा सिंह अवतार सिंह एवं भगत सिंह पुत्र हजारा सिंह निवासी गाम व पोस्ट निरंजनपुर द० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह, कुलदीप सिंह एवं अवतार सिंह पुरगण वर्षन सिंह निवासी निरंजनपुर प० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 45 बीघा का 2/3 भाग खसरा न० 342 एवं 343 स्थित ग्राम निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 29250) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आरा० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० 1033ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7510—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और<sup>पूर्ण रूप से बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 28-6-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल  
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिकाल, भिन्नभिन्नित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—</sup>(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादा स्वास्तिकों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घम-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री पन्ना पुत्र राम प्रसाद निवासी हरदेवपुर सहदेव  
पुर उर्फ रानी मजरा पोस्ट शाहपुर श्रीतला खेड़ा  
प० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर  
(अन्तरक)(2) श्री रुबराज सिंह, देवराज सिंह, देवराज सिंह  
एवं पुष्पराज सिंह पुत्रण इन्द्र सिंह नि० ग्राम  
व पोस्ट शाहपुर श्रीतला खेड़ा प० ज्वालापुर त०  
रुड़की जिला सहारनपुर  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्त सम्पत्ति भूमि 16 बीघा 19 विस्ता एवं 4 किसोसी  
खसरा नं० 291, 316, 373, 375 एवं 376 स्थित हरिद्वार  
जिला सहारनपुर 38,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण  
अर्जन, रेंज कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश नं० 1464 ए/अर्जन/सहारनपुर/77-78/7511—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने' या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आर० पी० भार्गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सेवा राम, इलम सिंह, इंद्रा राम, कुवर पाल उपनाम कुवर सिंह पुत्रगण घसीटा सिंह निवासी ढाढ़की दाना मजाहदपुर डा० लक्सर प० मंगलौर, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह, हरजीत सिंह, तेज प्रताप सिंह, गुरनाम सिंह, प्यारा सिंह, अमरदेव सिंह निवासी लक्सर स्टेशन डा० लक्सर प० मंगलौर त० रुड़की जिला-सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाउलिंग में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 21 बीघा 6 विस्ता खसरा नं० 137, 280, 501, 502, 503/1, 507/2 एवं 509/2 लिंग ग्राम अकबरपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 64,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 30 जनवरी 1978

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 899 ए/अर्जन/ गा० बाद/ 77-78/6526—अतः  
मुझे आर० पी० भार्गव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन  
सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ..... है तथा जो  
..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में श्री और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
छप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पत्त्य ग्रासितियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपचारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

9-476GI/77

1. श्री दयाल चन्द्र पुत्र नेमराज, ग्रोमप्रकाश पुत्र के वल  
राम निवासी प्रेमपुरी गाजियाबाद रामचन्द्र पुत्र  
शयमल दाम नि० 56 प्रेमपुरी गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

2. (1) मुरुनाथम श्रीमती राम कली पान्डे पत्नी  
स्वर्गीय जमना प्रसाद पांडे एवं श्रीमती प्रभा  
शुक्ला पत्नी जगत नारायण शुक्ला एवं राम कुमार  
पाण्डे एवं विजय कुमार पान्डे पुत्र जमना  
प्रसाद पान्डे निवासी 111/36 अशोक नगर  
कानपुर।

(2) मेसर्स एन० सी० प्रोडक्ट्स 8229/6 आराकमा  
रोड, पहरगंज नई दिल्ली-55 द्वारा श्री सुरेन्द्र  
कुमार निवास, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिमाणित हैं;  
वही मर्यादा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 8 स्थित आनन्द इण्डस्ट्रियल स्टेट जी० टी०  
रोड जिला गाजियाबाद 35,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा  
गया।

आर० पी० भार्गव,  
सकम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 31-12-1977

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 विसम्बर 1977

निदेश नं० 1005ए/प्रजन/मेरठ/77-78/6528— अतः  
मुझे आर० पी० भागव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० ..... है तथा जो  
..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-  
कारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम',  
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उच-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ति:—

(1) श्री शेख शफीउद्दीन सावरी पुत्र शेख रफीउद्दीन,  
जाल कुर्ती मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) नवयुग गृह निर्माण सहकारी समिति लि०  
द्वारा गौतम शर्मा अध्यक्ष पुत्र तारा चन्द शर्मा  
निवासी ब्रह्मपुरी, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधिबाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट 16 विस्वा स्थित प्रह्लाद नगर के  
पास साकेल के पीछे जिला मेरठ 72600/- के विक्रय मूल्य  
में बेची गई।

आर० पी० भागव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 31-12-1977

मोहर :

प्ररूप ग्राइंडी० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 771ए/अर्जन/मु० नगर/77-78/6525—अतः  
मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स्थ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं.....है तथा जो.....स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुजपकरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-7-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी घन या पन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री रामदित्ता मल 10/4 गांधी कालोनी भुजपकर नगर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जूपीटर पेन्ट एन्ड केमिकल इन्डस्ट्री नई मन्डी भुजपकर नगर द्वारा श्री चमन लाल प्रोप्राइटर निवासी 8-बी/9 गांधी कालोनी भुजपकर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पकान नं० 93, घेर खत्ती नई मन्डी भुजपकर नगर 40,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-77

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 547—यतः मुझे, एन० के० नागराजन प्रथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 5/1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उम्रम विद्यासागर दुम्भिसला

(अन्तरक)

(2) श्री सयद आली गुन्टूर

(अन्तरिती)

(3) श्री घेक० पेल साहिब, गुन्टूर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3676/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 5-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-1, नई दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1-एस० आर०-III/64/  
जून-1(11)/77-78/5543—अतः मुझे, जे० एस०  
गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एन-122 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 9-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
झन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उत्तराधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुन्दन लाल बसरा, सुपुत्र श्री मुलख राज  
बसरा, निवासी मकान नं० 8, ब्लाक नं० 48,  
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र अरोड़ा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री ठाकर  
दास अरोड़ा, तथा श्रीमती प्रेम लता अरोड़ा,  
पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र अरोड़ा, निवासी सी-1, हौज  
खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के श्रीजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पहो का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

बिल्डिंग जोकि वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई  
है, जिसका नं० 122, ब्लाक नं० 'एन' है, निवासी कालीनी  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 124

परिच्चम : मकान नं० 120

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड़

जे० एस० गिल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रीजन रेंज-1, दिल्ली-1

दिनांक : 9 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1978

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस आर-III/70/जून-2(7)/77-78/5543—अतः मुझे, जै० एस० गिल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० एन-199 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्री सरदारी लाल खाना, सुपुत्र श्री प्रयाम दास  
खाना, निवासी 11/3874, गली नीमवाली, दिरिया  
गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जै० सी० जार्ज, सुपुत्र श्री सी० जै० जार्ज,  
तथा श्रीमती कैलिन, पत्नी श्री जै० सी० जार्ज,  
निवासी द्वारा बल्ड हैल्थ ओरगनाइजेशन, इन्ड्र-  
प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-  
भावित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

ब्लॉड मंजिला मकान जोकि 300 वर्ग गज क्षेत्र के प्लाट  
पर बना हुआ है, जिसका नं० 199, ब्लाक नं० 'एन' है,  
निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में निम्न प्रकार  
से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० एन-210

पश्चिम : प्लाट नं० एन/197-ए

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

जै० एस० गिल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

दिनांक : 9 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेश नं० एपी 93/भट्टिंडा/77-78—यतः मुझे पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मानु चाहल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :—।

(1) श्रीमती हरवंस कौर पुकी संतोष विधवा श्री जरमेज  
सिंह वासी गांव मानु चाहल, तहसील जीरा  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री गुरदयाल सिंह, दरबारा सिंह पुत्रान सोहन सिंह  
वासी मानु चाहल, तहसील जीरा।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्राद्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्राद्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मानु चाहल गांव में 71 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि  
रजिस्ट्री नं० 1688 जून 1977 सब रजिस्ट्रार जीरा में लिखा  
है।

पी० एन० मलिक  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भट्टिंडा

दिनांक: 6 फरवरी 1978

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 94/भट्टिडा/77-78— यतः मुझे, पी० एन०

मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मजाहदपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) परजीत सिंह पुन्र संता सिंह वासी मजाहदपुर तहसील व जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री भोला सिंह पुन्र काला सिंह और जगीर सिंह, महेन्द्र सिंह तथा जोगेन्द्र सिंह पुन्रान भोला सिंह वासी मजाहदपुर, कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजाहदपुर गांव में 45 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 845 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार कपूरथला में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

दिनांक: 6 फरवरी 1978

मोहर:

प्रस्तुप ग्राइंडी० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेदन नं० एपी 95/भटिडा/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामांक मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकर के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिस्टें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरिती अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-न्यूनता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किसानाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

उक्त अन्तरण की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अप्पां—

(1) श्री सावन मल, मैमोरियल इस्ट जीरा जिला फिरोजपुर द्वारा जगदीश राए उर्फ़ राम नाथ प्रधान और तरसेम लाल पुत्र श्री चरणदास मैम्बर इस्ट (जीरा)  
(अन्तरक)

(2) सत पाल, सुभाष चन्द्र, राम सरूप, अशोक कुमार विजय कुमार, पुक्षान शान चन्द्र पुत्र ढाँड़ी राम वासी जीरा ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में उचित रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्रति लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान्य 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरा में 32 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1002, जून 1977 सब-रजिस्ट्रार जीरा में लिखा है।

पी० एम० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिडा

दिनांक: 6 फरवरी 1978

मंगल

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 96/भट्टिडा/77-78—यतः, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुद्रकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकों (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

यतः, यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधित्यों अर्थात् :—

(1) श्री भग्न सिंह, अगीर सिंह, पुत्रान सुचा सिंह वासी महिला खुद तहसील मोगा। (अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह, मल सिंह, पुत्रान प्रिया सिंह गांव मुक्ती, तहसील फिरोजपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अधिकारीयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मुद्रकी गांव में 110 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1205 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम अधिकारी  
सायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० एपी ९७/भटिंडा/७७-७८—यतः मुझे पी० एन० मलिक

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मैरीपुर जरजपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1977 को प्रूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री बलवंत सिंह, केहर सिंह पुत्रान इन्द्र सिंह वासी जरजपुर तहसील सुलतानपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष बन्द्र, रत्न चन्द्र पुत्रान निरंजनदेव वासी जरजपुर तहसील सुलतानपुर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा, जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मैरीपुर जरजपुर गांव में 159 कलाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 674 जुलाई 1977 सब रजिस्ट्रार सुलतानपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 98/भट्टिडा/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और भ्रष्टरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब/अन्तर अधिनियम, की भारा 269 वा के अनुसूचना में, उक्त अधिनियम की भारा 269 वा की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया वेदी विधवा रेखु राम पुत्र दौला राम 2. कश्मीरी लाल पुत्र रेखु राम वासी गली नं० 2 अबोहर।

(अन्तरक)

(2) डुंगर चन्द्र पुत्र श्री बुधा मल, द्वारा बनवारी लाल भोज राज अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

170 वर्ग गज 8 वर्ग फुट के एक भकान में 3/4 हिस्सा जो अबोहर में गली नं० 6 में वाकिया है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1194, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेश नं० एपी 99/भटिंडा/77-78—यतः मृम्मे, पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो खुबन (फाजिल्का) में स्थित है (और इसे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) तारा चन्द्र पुत्र नरायण थास पुत्र नावर चन्द्र गांव खुबन, तहसील फाजिल्का (अन्तरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश पुत्र मुनशी राम गांव खुबन तहसील फाजिल्का (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुबन गांव में 65 कनाल 5 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1128, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्र० प्र० ग्र० टी० ए० ए०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिङा

भट्टिङा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेश नं० एपी 100/भट्टिङा/77-78—यतः मुझे पी० ए०

मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्री जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, भौं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) श्री तारा चन्द्र पुत्र नरेन वास पुत्र नावर चन्द्र गांव खुबन तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र मुनशी राम गांव खुबन तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हव्वि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

65 कलाल 6 मरले जमीन गांव खुबन में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1134, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० ए० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिङा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जेन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

मिशेश नं० एपी 101/भट्टिडा/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरणों) और प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है ।—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी धार्य या किसी धन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय धार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

असः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त ।—

(1) श्री द्वारका दास पुन श्री चौपत राए पुन श्री द्वृढा राम वासी गली नं० 4 नई आबादी अबोहर तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुख्तयार कौर परितपाल सिंह पुन बलवांत सिंह पुन जस्ती सिंह गली नं० 4 नई आबादी अबोहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैग के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2000 वर्ग फुट का एक प्लाट नई आबादी अबोहर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1164, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, भट्टिडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकृष्ट वाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० ए पी 102/भटिडा/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मसिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा महिला सिह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या अन्तरक-अधिनियम, 1957 (1957 का १२) के अन्तर्गत नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किसी जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपर्याता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री रूप चन्द, राम कुमार, राज कुमार, राम नाथ पुत्रान गिरधारी लाल पुत्र भगत राम बासी मोगा मंडी (अन्तरक)

(2) श्री राज कृष्ण, सुभाष चन्द्र पुत्रान माहला राम द्वारा माहला राम राज कृष्ण दुकान नं० 75 मोगा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजनन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या नया है।

अनुसूची

— 4 मर्गो, 12 वर्ष फुट में एक, हुकात, वर्गिक्या मोगा जैसा किं रजिस्ट्री नं० 54-२४ नवम्बर, 1977- सब रजिस्ट्रार मोगा से लिखा दै।

पी० एन० मसिक,

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

दिनांक : 6 'फरवरी' 1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

मन्महिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1978 हेतु

आयोग के नोटिस में संशोधन

सं० एफ० 8/9/77-प० I (ख) —भारत के राजपत्र दिनांक 24 दिसम्बर 1977 में प्रकाशित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 से सम्बद्ध संघ लोक सेवा, आयोग के नोटिस सं० एफ० 8/9/77 प०। (ख) दिनांक 24 दिसम्बर, 1977 ने परिशिष्ट I के भाग ख में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे।

(i) “प्रारंभिक गणित” विषय के विस्तृत पाठ्य विवरण में उप-शीर्षक “ज्यामिति” के नीचे द्वितीय उप-पैरा लुप्त किया जाएगा।

(ii) “गणित (कोड-03)” विषय के विस्तृत पाठ्य विवरण के नीचे “टिप्पणी” संशोधित करके निम्न प्रकार में पढ़ी जाएगी —

“पाठ्य विवरण के भाग ख में से तीन विषय अर्थात् (i) यात्रिकी (ii) खगोल विज्ञान और (iii) मालिक्यकी में से किसी एक पर प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा।”

(iii) “भारत का उत्तिहास (कोड-09)” विषय के पाठ्य विवरण के नीचे “टिप्प ” के प्रथम वाक्य में निम्नलिखित शब्द लुप्त कर दिए जाएंगे —  
“और उनको नक्षा बनाना भी आना चाहिए।”

वी० एम० जौली  
अवार मन्त्रिव  
संघ लोक सेवा आयोग

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi the 1st February 1978

No F 6/15/78 SCA(I)—In continuation of this Registry's Notification No F 6/15/78-SCA(I) dated 24th January 1978 the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri H D Gulrajani to officiate as Deputy Registrar unto 17 February 1978 vice Shri A N Oberai granted leave until further orders

M P SAXENA  
Registrar (ADMN)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi 110011 the 17th January 1978

No A 12019/1/78 Admn II—The Secretary Union Public Service Commission hereby appoints Shri M I Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) to the post of Special Assistant to Chairman in the office of Union Public Service Commission, on an *ad hoc* basis for the period from 10th January 1978 to 28th February 1978 or until further orders whichever is earlier

Shri M I Khanduri will be on deputation to the *cadre* post of Special Assistant to Chairman Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O M No F 10(24) E III/60 dated the 4th May 1961 as amended from time to time

The 28th January 1978

No A 11013/2/74 Admn II—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 28th November 1977 the Secretary Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for a further period of two months w.e.f. 12/1978 or until further orders whichever is earlier

No Name Post held in CSS cadre

- 1 Shri B S Jagopota Section Officer
- 2 Shri R N Khurana Section Officer
- 3 Shri S Srinivasan Section Officer
- 4 Shri J P Goel Section Officer
- 5 Shri S K Acre Assistant
- 6 Shri G V Mathur Assistant

The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O M No F 10(24) E III/60 dated 4/5/1961 as intended from time to time

P N MUKHERJEE  
Under Secy  
for Secy

Union Public Service Commission

New Delhi 110011 the 19th January 1978

No A 32014/1/77 Admn III—The President is pleased to appoint Shri H S Bhatti a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 26/12/77 to 10/2/78 or until further orders whichever is earlier

The 20th January 1978

No A 32014/1/78 Admn III(1)—In continuation of this office notification No A 32014/1/77-Admn III dated 2/11/77 the President is pleased to appoint Shri P S Sabherwal a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period

from 1-1-78 to 18-2-78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(2)—In continuation of this office notification No A 32014/1/77-Admn III dated 31-12-77 the President is pleased to appoint Shri B R Basra a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 30/12/77 to 31-1-78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78-Admn III(3)—The President is pleased to appoint Shri I I Sharma a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2/1/78 to 18/2/78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(4)—The President is pleased to appoint Shri R K Mago a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2/1/78 to 18/2/78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(5)—The President is pleased to appoint Shri R Dayal a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 6/1/78 to 20/2/78 or until further orders whichever is earlier

The 31st January 1978

No A 38014/5/76-Admn III—The President is pleased to permit Shri B B Das Sarma a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Govt service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st January 1978 in terms of Department of Personnel O M No 33/12/73 Fsts(A) dated the 24th November 1973

P N MUKHERJEE

Under Secy

(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi the 2nd February 1978

No PF/I 1/70 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Lokendra Singh, Public Prosecutor CBI CIU III Branch on promotion as Senior Public Prosecutor on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 3/1/1978 until further orders

No A 19015/1/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri H C Patro Crime Assistant CBI Coordination Wing to officiate as Office Sundt in the Calcutta Branch of Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23/12/77 in a temporary capacity until further orders

No A 19036/1/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri D R Chavan Inspector of Police CBI Jairur Branch and an officer of Rajasthan Police Deptt to officiate as Dv Sundt of Police in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9/1/78 in a temporary capacity until further orders

No A 19036/5/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri N Sree Ram Inspector of Police CBI Hyderabad Branch and an officer of

Andhra Pradesh State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 21-1-78 in a temporary capacity until further orders.

The 4th February 1978

F.No. A-19036/2/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Sugan Singh Gogawat, Inspector of Police C.B.I., Jaipur Branch and an officer of Rajasthan Police Deptt. to officiate as Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9-1-78 in a temporary capacity until further orders.

No. A-19036/4/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. Roy, Inspector

of Police, C.B.I. Calcutta Branch and an officer of West Bengal State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9-1-78 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUI

Administrative Officer(E)  
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 2nd February 1978

No. O.II-115/70-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri B. U. Achappa, Asstt. Commandant 32 Bn. CRPF w.e.f. 6-1-78 (F.N.).

No. P. VII-9/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis the following Medical Officers (GDO; Gd-II, Dy. S. P./Coy. Comdr) as GDO; Grade-I (Asstt. Comdt.) in the CRPF until further orders.

Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each:—

Sl. No.	Name	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1	2	3	4	5	6
1.	Dr. Satya Narayan Patnaik	GDO; Gd-II GC, Durgapur	10-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I GC, Bantulab	22-12-77 (F.N.)
2.	Dr. R. K. Mohanty	GDO; Gd-II 24th Bn.	5-12-77 (F.N.)	GDO; Gd-I GC, Neemuch	10-12-77 (F.N.)
3.	Dr. G. C. Mohanty	GDO; Gd-II GC, Gauhati	28-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I GC, Imphal	6-12-77 (F.N.)
4.	Dr. U. C. Biswas	GDO; Gd-II 29th Bn.	6-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I Base Hospital- 2, Hyderabad	7-12-77 (F.N.)
5.	Dr. K. K. Saini	GDO; Gd-II Base Hospital-I, New Delhi	12-11-77 (A.N.)	GDO; Gd-I Base Hospital-I, New Delhi	21-11-77 (A.N.)
6.	Dr. S. N. Jaya Prakash	GDO; Gd-II 13th Bn.	24-11-77 (F.N.)	GDO; Gd-I GC-I, Ajmer	24-1-77 (A.N.)

The 4th February 1978

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis w.e.f. 4-1-1978 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-32/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri K. Dadabhoy, an IPS officer of Gujarat Cadre as DIG in the CRPF.

2. Shri Dadabhoy took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police CRPF New Delhi on the forenoon of 16th January 1978.

The 6th February 1978

No. O.II-1020/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. P. Gulati, Dy. S. P., 42 Bn., CRPF with effect from 20-1-78 (A.N.).

The 7th February 1978

No. O.II-1080/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar Jain as G.D.O. Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th January, 1978 until further orders.

The 8th February 1978

No. O.II-147/76-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF Shri P. N. Mehra (Retd)

relinquished charge of the post of Asstt. Commandant in the Dte. General, CRPF, New Delhi on the afternoon of 27th December 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 3rd February 1978

No. F-16015(1)/1/77-Pers.—On transfer on deputation Shri Markandey Singh IPS(UT-56) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General, Eastern Zone, CISF, Calcutta with effect from the forenoon of 16th January 1978.

L. S. BISHT  
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th February 1978

No. 10/13/76-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ram Singh as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Karnataka,

with his headquarters at Bangalore, with effect from the forenoon of 27 December, 1977, until further orders.

The 8th February 1978

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri N. G. Nag, Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) in the office of the Registrar General, India, at New Delhi, as Assistant Registrar General (Social Studies), in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 28th December, 1977, for a period of 9 months or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri N. G. Nag relinquished charge of the post of Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) held by him in this office on the same day.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India.

New Delhi, the 6 February 1978

No. 11/10/76-Ad.-I.—In continuation of this office notification of even number dated 21 November, 1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointments of the under-mentioned officers as Deputy Director of Census Operations in the offices of the Directors of Census Operations as mentioned against each for a period of two months with effect from 1 January, 1978 to 28-2-1978, or till the posts are filled up on a regular basis, whichever period is shorter:—

S. No.	Name	Office of the Director of Census Operations	Head-quarter
1	2	3	4
1. Shri Arvind Dange	Sikkim	Gangtok	
2. Shri M. Thangaraju	Tamil Nadu Pondicherry.	Madras	
3. Shri S. Rajendran	Goa, Daman & Diu	Panaji	
4. Shri Jagdish Singh	Delhi	Delhi	
5. Shri S.S.S. Jaiswal	Uttar Pradesh	Lucknow	
6. Shri S. K. Agarwal	Himachal Pradesh	Simla	

No. 11/1/77 Ad.I.—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad.I dated 7 October, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the under-mentioned officers in the posts of Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations as mentioned against each for a further period of three months with effect from 1-1-1978 upto 31-3-1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter:

S. No. Name of the officer, States Headquarters

1. Shri S. K. Majumdar, Nagaland, Kohima.
2. Shri B. D. Sharma, Chandigarh (UT), Chandigarh.

The 8th February 1978

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 6/1/74-RG(Ad.I) dated 8 June, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, for a further period of one year with effect from 1 January, 1978 upto 31 December 1978 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar will continue to be at New Delhi.

No. 10/13/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad-hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Bihar, at Patna, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office,

with effect from the forenoon of 9 December, 1977, until further orders.

2. His headquarters continue to be at Patna.

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 19 July 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri R. K. Bhatia an Investigator as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh with effect from 4-1-1978 to 28-2-1978 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Bhatia will continue to be at Lucknow.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India &  
*ex-officio* Deputy Secy.

New Delhi-110011, the 8th February 1978

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-12-1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the Office of the Registrar General, India by transfer on deputation upto 31 March, 1978, with effect from 1st January, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

#### DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461001, the 4th February 1978

No. 7(36) 8928.—Further to this office notification Nos. 7(36)3834 dated 24/6/75, 7(36)10023 dated 23/12/75, 7(36)13145 dated 26/3/76, 7(36)6051 dated 14/9/76, 7(36) 12896 dated 25/3/77, 7(36)3134 dated 16/7/77 and 7(36) 6212 dated 28/10/77 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 31/12/77 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

R. VISWANATHAN  
General Manager.

#### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPTT.

Hyderabad, the 6th February 1978

No. E.B.I./8-312/77-78/397.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri C. Prasanna Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-1-1978 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. MUKHERJEE  
Senior Deputy Accountant General (Admn)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WEST BENGAL,

Calcutta-700001, the 4th February 1978

No. Admn.I/1038/XV/3774.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Jajneesh Chandra Chowdhury permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 28-1-78 or with effect from the date he actually takes over charge thereafter as Accounts Officer in the office of the A.G. II, West Bengal until further orders.

Sri Chowdhury on being released from his present charge may report to the Sr. Deputy Accountant General (Admn.), Office of the A.G.I.I, West Bengal for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

P. K. BANDYOPADHYAY

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
EASTERN RAILWAY

Calcutta-1, the 1st February 1978

No. I/8/76.—On his attaining the age of superannuation the name of Shri P. B. Banerjee, Assistant Chief Auditor, of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta is not borne on the cadre of this office with effect from the mid-night of 30-11-1977.

U. D. ACHARYA  
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 31st January 1978

No. 68012-A(4)/77/AN-II.—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date from which promoted
S/Shri		
1.	S. Kanakasabesa Iyer	12-12-1977 (F.N.)
2.	P. B. Bhattacharjee	3-1-1978 (F.N.)
3.	Gourjiban Mitra	12-12-1977 (F.N.)
4.	Sham Lal Kapoor	12-12-1977 (F.N.)
5.	Charanjit Lal Mago	12-12-1977 (F.N.)
6.	Raj Krishan Bahl	23-12-1977 (F.N.)
7.	Madan Mohan Lal	21-1-1978 (F.N.)
8.	K. C. Unniraman	12-12-1977 (F.N.)
9.	E. R. Balasubramanyam	2-1-1978 (F.N.)
10.	V. P. Gupta	20-12-1977 (F.N.)
11.	B. G. Krishnamurthy	12-12-1977 (F.N.)
12.	Bhagat Ram Bajaj	12-12-1977 (F.N.)
13.	R. B. Balasundaram	12-12-1977 (F.N.)
14.	G. S. Verma	10-1-1978 (F.N.)

V. S. BHIR,  
Additional Controller General of Defence  
Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 17th January 1978

No. 1/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri S. M. R. Singh, offg. General Manager, Gr.I (Subst. & Permt. General Manager, Gr.II) retired from service with effect from 30-11-77 (AN).

The 27th January 1978

No. 3/G/78.—The President is pleased to re-employ Shri B. P. Banerjee, Ex. Offg. Asst. Manager (Permt. Foreman), as Tempy. Assistant Manager for eleven months w.e.f. 4-4-77 (FN).

M. N. SHUKLA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 6th February 1978

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT

No. 6/155/54-Admn(G)/47/1290.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period of three months with effect from 1-10-1977 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

K. V. SESADRI  
Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 2nd February 1978

No. A-1/1(69)/VIII.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Agarwal, permanent Dy. Director General (Supertime scale post in the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi as Additional Director General on regular basis with effect from the forenoon of the 8th August, 1977 against the regular vacancy caused by the appointment of Shri R. K. Singhal as Joint Secretary, Ministry of Health and Family Welfare.

The 3rd February 1978

No. A-1/1(1100).—On his reversion to the parent cadre in the Govt. of Kerala, Shri C. Karunakaran, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Sales Tax) (Gr. I) in Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 18th January 1978.

The 6th February 1978

No. A-1/1(1108).—Shri S. K. Mukherjee, Superintendent (Supervisory Level II) and officiating Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the Director of Inspection (Met.) Jamshedpur retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals.

DEPARTMENT OF SUPPLY

(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 23rd January 1978

No. A6/247(246)/60/V.—Shri K. L. Murty, a permanent Asstt. Director of Inspection (Met-Chem.) in grade III of the Indian Inspection Service, Met-Chem. Branch (Class-I) and officiating Dy. Director of Inspection in grade II of the Service in Jamshedpur Inspectorate under the Directorate General of Supplies & Disposals, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-12-77 on attaining the age of superannuation.

The 28th January 1978

No. A-17011/11/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Sinha, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 12th December, 1977 until further orders.

Shri Sinha relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection Northern Inspection Circle, New Delhi on the afternoon of the 12th December, 1977.

The 30th January 1978

No. A-17011(64)/77-A6.—Consequent on the acceptance of his resignation from service, Shri S. P. Singh relinquished the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) grade III of the IIS (Class I) Engg. Branch in the Madras Inspection Circle under this Dte. General w.e.f. 8-12-77(AN).

SURYA PRAKASH  
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALL INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd February 1978

No. A-19018/337/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri Dwarka Prasad Popli, Hindi Translator as Hindi Officer on *ad hoc* basis, in the Small Industry Development Organisation w.e.f. 23rd January, 78 (F.N.)

2. Consequent upon his appointment as Hindi Officer, Shri Dwarka Prasad Popli has assumed charge of the post of Hindi Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. 23rd January, 1978(F.N.)

V. VENKATRAYULU  
Deputy Director (ADMN.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
DEPARTMENT OF MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th January 1978

No. 739/B/2339(RKM)/19B.—Shri R. K. Mathur, Assistant Geophysicist, Western Region, Geological Survey of India, is released on resignation from the afternoon of 19th August, 1977, from the services of the Geological Survey of India.

V. K. S. VARADAN  
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES  
Nagpur, the 2nd February 1978

No. A.19011(69)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Naik, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300—50—1700 w.e.f. the forenoon of 2nd January, 1978.

L. C. RANDHIR  
Head of Office,  
Indian Bureau of Mines.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi, the 7th February 1978

No. 2/1/78-FFD.—The Regulations of the Twentyfifth National Film Festival, 1978 are hereby published for public information, namely :—

*REGULATIONS*

1. The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its motto is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival aims at :

(i) encouraging the production of aesthetically beautiful, thematically evocative, emotionally patriotic, technically satisfying and socially significant films;

(ii) contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions

(iii) promoting the feeling of integration and unity of the nation.

2. Any film received by the Central Board of Film Censors for certification in 1977 and certified not later than 31st of January, 1978 and consistent with the objectives of the festival can be entered in the festival. Films entered should be in 35 mm or 16 mm gauge. Short films should ordinarily not exceed 1000 meters in length.

3. A film entered in the festival should be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.

4. No. film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.

5. An entry can be made either by a Government department or by individual producers/production companies. Enclosed Entry Form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1978.

6. Prints of films entered for the National Film Festival should reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March 1978. If possible the prints may be sent along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram, the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.

7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1978.

(i) 40 copies of the synopses in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.

(ii) Publicity material comprising six posters and photo-sets containing six photographs.

(iii) 5 copies of the film script of the feature film in original language of the film together with 5 copies of the same in English or Hindi.

(iv) Short biographical sketches of the producer, the director and the leading artistes of the film.

(v) 2 sets of photographs of the producer, the Director and the leading artistes of the film.

8. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100 in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and Rs. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable.

The amount of entry fee may be credited to Government account under the head "085-Information and Publicity Receipts from Films", through a treasury challan and receipted copy of the same sent to the Directorate of Film Festivals along with the entry form.

9. Two National Juries will be constituted by the Government of India—one for judging feature films and the other for judging short films. Children's films both features and shorts, will be judged by the Feature Films Jury.

10. The composition of the National Jury for Feature films will be as follows :

(a) A chairman nominated by the Government; and

(b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical merits of films. The members will be nominated by the Government.

11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion, if considered necessary) out of the members of

the National Jury for Feature Films to examine feature films in various languages and the children's films.

12. Each panel will recommend to the aforesaid National Jury for Feature Films, not more than three films in each language considered suitable for awards, without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-I (v) to (xiv) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.

13. The National Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the Children's films and recommended films for various categories of awards under rule 24-I of these regulations.

14. The National Jury for Feature Films will first select the national award-winners for the following three categories :

- National Best Feature Film under rule 24-I (i),
- Best Feature film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-I (ii).
- Best Feature Film on National Integration under rule 24-I (iii).

The films selected for these awards will not be eligible for regional awards under rule 24-I (iv) of these Regulations.

15. The National Jury for Short Films consisting of 5 members including the Chairman will be constituted by the Government for examination of entries for giving awards under the categories of :—

- Best Documentary Film.
- Best Educational/Instructional Film.
- Best Promotional Film (Non-commercial/Commercial)
- Best Experimental Film.
- Best Animation Film.
- Best Newsreel Cameraman.
- Best Indian News Review.

16. Any person directly or indirectly associated with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films as the case may be.

17. Both the National Juries may determine their own procedure for the examination of films.

18. The quorum of the two National Juries shall not be less than half of the number of members nominated or present and voting.

19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominee may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.

20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury, they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g., Press, Radio, TV before the formal announcement of the results of the National Film Festival.

21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, music director, playback singer, of feature films examined by them is of a standard inadequate for an award.

22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two National Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.

23. The members of the two National Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings/previews of the films in connection with the National Film Festival competition.

24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes ;

#### I—FEATURE FILMS

##### (i) National Best Feature Film :

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.

##### (ii) Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value :

Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

##### (iii) Best Feature Film on National Integration :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

##### (iv) Best Feature Film in each regional language :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the director of the best feature film in each language, viz.

— Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sindhi and English.

— Bengali, Assamese, Oriya and Manipuri.

— Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

##### (v) Best Direction :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director of the year.

##### (vi) Best Screenplay :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.

##### (vii) Best Acting :

(a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actor,

(b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress,

(c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.

##### (viii) Best Cinematography (colour) :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a colour film.

##### (ix) Best Cinematography (Black and White) :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a black and white film.

##### (x) Best Sound Recording :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best sound recordist.

##### (xi) Best Editing :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best editor.

##### (xii) Best Music Direction :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.

##### (xiii) Best Male Playback Singer :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

##### (xiv) Best Female Playback Singer :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

##### (xv) Best Children's Film :

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director,

**II—SHORT FILMS****(i) Best Information Film (Documentary) :**

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

**(ii) Best Educational/Instructional Film :**

(This category will include educational, instructional and training films).  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of 4,000 to the director.

**(iii) Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial) :**

(For the best promotional film of subjects of national importance, e.g., National Integration, Social Justice, Cooperation, Savings, Dynamics of Development including Agricultural Practices or the best commercial advertisement film.)  
Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

**(iv) Best Experimental Film :**

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

**(v) Best Animation Film :**

- Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer,
- Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator,
- Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

**(vi) Best Newsreel Cameraman**

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.

**(vii) Best Indian News Review**

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

**III—DADA SAHEB PHALKE AWARD**

(Special award for outstanding contribution to the cause of the Indian Cinema).

Swaran Kamal, a cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.

**Explanation**

The term 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'music director' and playback singer', used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'script writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'music director', and playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

25. Government may, at its discretion, give each prizes in the form of bank drafts/cheques.

26. The producer of a feature film which wins an award under categories I-(i) to (iv) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 3,000 on his getting that film sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.

27. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for the awards and which receives an award. The cost of the print viz., the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results then no reimbursement will be made and

the print entered for the National Film Festival will be retained by the Government without any compensation to the producer.

28. If a person winning an award for Best Direction also happens to be the director of a film winning award for the National Best Feature Film, the Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value, the Best Feature Film on National Integration as also award for the Best Feature Film in each regional language, . . . he will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize.

29. The producer of the film entered for the National film Festival shall have no objection to the screening of the film for the National Juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.

30. Entire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.

31. The decision of the Government of India in respect of the awards and of interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall lie against them.

32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.

33. The prints of films entered in the Festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to :

Director of Films,  
Directorate of Film Festivals,  
Vigyan Bhavan Annex,  
Maulana Azad Road, New Delhi-110011.

Telegraphic address : FILMOTSAV, NEW DELHI.

**25TH NATIONAL FILM FESTIVAL 1978****ENTRY FORM**

(To be completed in duplicate and sent to : The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annex, Maulana Azad Road, New Delhi-110011 so as to reach by 15th March, 1978).

1. Title of the film.

2. Language.

3. "Category": Feature/Children's Film/Short Film.

4. Length of the film (in meters).

5. Running time : hours minutes

6. Number of reels.

7. Gauge 35 mm/16 mm.

8. Colour system.

9. Number and date of the Censor Certificate.

10. Classification of the film in the Censor Certificate (whether 'A' or 'U').

11. Name and full address of the Producer (with telephone No. and telegraphic address, if any).

12. Name and full address of the Director.

13. Name and full address of screenplay Writer/Script Writer.

\*Please strike out the portion not applicable.

14. Name and full address of the leading male Actor.
15. Name and full address of leading female Actress.
16. Name and full address of the Child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years.
17. Name and full address of the Cameraman.
18. Name and full address of Sound Recordist.
19. Name and full address of the Editor.
20. Name and full address of the Music Director.
21. Name and full address of the *male* Playback Singer.
22. Name and full address of *female* Playback Singer.
23. Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films.
24. Date of release of the film.
25. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake.
26. Print of the film to be despatched by (Please give name and complete address).

Name of the person making the entry

.....

Address

Dated :

Signature  
(Seal)

V. S. KATARA  
Director of Films.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th February 1978

No. 10/19/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to accept the resignation of Shri J. K. Runwal from the post of Assistant Engineer, All India Radio, Sangli (held by him temporarily) with effect from the afternoon of the 5th December, 1977.

A. K. BOSE  
Deputy Director of Admn.,  
for Director General.

New Delhi, the 7th February 1978

No. 10/134/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J. P. Singh to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Delhi w.e.f. 31-10-77.

A. K. BOSE  
Deputy Director Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd February 1978

No. A.31015/1/77-DC.—The Director General of Health Services is pleased to confirm Dr. (Mrs.) Dipali Roy in the post of Associate Pharmacologist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the 15th January, 1976.

S. S. GOTHOSKAR  
Drugs Controller (INDIA)  
for Director General of Health Services.

New Delhi, the January 1978

No. A.19019/1/78-Admn.I.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Dr. N. Pinto Do-Razario, relinquished charge of the post of Staff Surgeon Dental (CGHS) on the afternoon of 31st December, 1977.

The 3rd February 1978

No. A.19020/51/76(FRSL) Admn.I.—Consequent on his resignation Shri P. K. Sudhir, Junior Analyst relinquished charge of his post on the afternoon of 29th November, 1977.

No. A.32012/1/76(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Khub Chand, Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, to the post of Stores Officer (General Stores) at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 4th January, 1978, on an *ad hoc* basis, and until further orders.

No. A.12026/14/77(AIIPMR) /Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. B. N. Chhabria in the post of Chief, Medical Social Work Department at the All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation Bombay, with effect from the forenoon of 5th September, 1977 to the 7th October, 1977 (afternoon) in the leave vacancy of Smt. N. A. Kelkar.

No. A.12026/36/77(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Dhotre, Assistant Architect, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Architect in the same Directorate, on an *ad hoc* basis *vice* Shri M. K. Gupta on leave with effect from the 19th December, 1977 to the 4th February, 1978.

The 4th February 1978

No. A.12023/16/76(WH) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. L. Agnihotri, Office Superintendent in Willingdon Hospital, New Delhi, to the post of Stores Officer in the same Hospital, on an *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 11th January, 1978, and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd February 1978

No. A.19023/31/78-A.III.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Shri R. A. Khanorkar is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the pay scale of Rs. 650-1200 at Nagpur with effect from 19-12-77 (F.N.), until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Khanorkar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer (Group I) at Unjha in the afternoon of 12-12-77.

V. P. CHAWLA  
Director of Administration

## (BR. HEAD OFFICE)

Nagpur, the 1st January 1978

No. F.3(44)/9/72-DII.—For the purpose of the Government of India, Finance Department (Central Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 12 Dt. 9-6-1945 No. 1 Camp Dt. 5-1-1946 No. 6 Dt. 5-2-1949 No. 64 Dt. 17-6-1961 published in the Gazette of India, I hereby authorise S/Shri N. C. Joshi Deputy Senior Marketing Development Officer (Cold Storage) and Y. K. Pandey, Senior Inspector to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Tobacco, which has been graded in accordance with the provisions of the Tobacco Grading and Marketing Rules and formulated under Section 3 of Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937. (1 of 1937).

J. S. UPPAL

Agricultural Marketing Adviser.

## RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 31st January 1978

No. RAPS/09002/G(848)77/S/500.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to accept the resignation of Shri V. V. Lorence, a Quasi-permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Officer-Engineer-Grade SB with effect from the afternoon of 31st August, 1977.

GOPAL SINGH

Administrative Officer (Est.)  
for Chief Project Engineer.DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th February 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. D. Deshmukh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 17th January 1978

No. VSSC/EST/NTF/78.—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40.960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders:

Sl. No.	Name	Designation	Divn/Proj.	Date of appointment
1	2	3	4	5
1.	Shri U. I. Somasundaram	Sci/Engr. SB	RPP	1-10-77
2.	Shri S. Subramaniam	"	STF	1-10-77
3.	Shri A. P. Sreedharan	"	EFF	1-10-77
4.	Shri E.P.I. Krishna Das	"	GSS	1-10-77
5.	Shri K. Narayana Pillai	"	EMD	1-10-77
6.	Shri S. Ramaswamy Pillai	"	SLV	1-10-77
7.	Shri K. M. Chandran	"	PSC	1-10-77
8.	Shri S. Sivaramakrishnan	"	PFC	1-11-77
9.	Shri K. John	"	COM	1-11-77
10.	Shri G. Kesavan Nair	"	COM	1-11-77

RAJAN V. GEORGE  
Admn. Officer-II (EST)  
For Director VSSC

No. AMD/1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. S. Ravi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN

Sr. Administrative &amp; Accounts Officer.

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 31st January 1978

Ref : No. HWPs/Estt./1/G-39/513.—Officer - on - Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yeshwant Purshottam Gharpure, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity, with effect from December 28, 1977 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY

Senior Administrative Officer.

## DEPARTMENT OF SPACE

## INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

## SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 3rd January 1978

No. SAC/EST/CA/MCSD/34/78.—The Director is pleased to appoint Shri Mahendra Nath Vyas as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 14, 1977 until further orders.

S. G. NAIR

Head, Personnel &amp; Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT  
New Delhi-3, the 6th February 1978

No. E(I)00916.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Dulal Chakrabarty as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28th November, 77 and until further orders.

Shri Chakrabarty is posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA  
Metorologist  
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th February 1978

No. A.19012/1/78-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Dr. Virendra Saxena as Hindi

Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 30-1-1978 (F.N.) on *ad hoc* basis and until further orders and post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 2nd February 1978

No. A.32013/11/77-EC.—Entries against Serial No. 6 of this Deptt. Notification No. A.32013/11/77-EC, dated the 6th January, 1976 may be amended to read as under:—

S. No. Name, Station of posting.

6. Shri V. K. Chaudhury, Controller of Aeronautical Inspection, Bombay.

The 4th February 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the Grade of Assistant Technical Officer on Ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri A. Ramaswamy . . . . .	ACS, Madurai	ACS, Madurai	17-12-77 (FN)
2.	Shri C. L. Jain . . . . .	ACS, Varanasi	ACS, Srinagar	31-12-77 (FN)

No. A. 32013/6/77-EC:—In continuation of this Deptt. Notification Nos. A. 32013/6/77-EC, dated 16-2-77 and 29th Sept., 1977, the President is pleased to extend the ad-hoc promotion of the following four Senior Technical Officers in the Civil Aviation beyond 28-10-77 and upto 31-10-77

S. No.	Name	Station of posting	Sl. No.	Name	Station of posting
1.	Shri A. G. Narasimha . . . . .	R. C. D. U. New Delhi.	3.	Shri M. M. Poulose . . . . .	A.C.S., Calcutta Airport, Dum Dum.
2.	Shri A. Jagdesan . . . . .	A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.	4.	Shri K. Surender . . . . .	A.C.S., Palam Airport, Palam.

No. A. 32013/11/77-EC:—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers of Aeronautical Communication Organisation of Civil Aviation Department to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from the date indicated against each and until further orders and to post them at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Date of taking over charge	Station of posting,
1	2	3	4	5
1.	Shri Roop Chand . . . . .	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	6-1-1978 (FN)	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
2.	Shri S. Jayaraman . . . . .	ACS, Madras.	9-1-78 (FN)	ACS, Madras.

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

The 3rd February 1978

No. 16/274/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Rameshwar Dayal, as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Research on Minor Forest Products" at its Regional Research Centre, Bangalore, under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 23rd November, 1977 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR  
Kul Sachiv,  
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 2nd February 1978

No. 16/272/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Saschidananda Biswas as Research Officer, under the Fifth Five Year Plan Scheme "Establishment of Regional Forest Research Centre" at Burnihat, under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 18th November, 1977 until further orders.

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : KANPUR

Kanpur, the 8th November 1977

No. 126/77:—In pursuance of the order No. 113/77 issued under Ministry of Finance, Department of Revenue New Delhi's F. No. A-22012/27/77-Ad. II dated 1-8-77 and this office Estt. Order No. 1/A/306/77 dated 5-8-77, the following Superintendents Central Excise, Group 'A' assumed/took over the charge in the Central Excise offices under Kanpur Collectorate, as shown against each:—

Sl. No.	Name	Place/Date of joining
1.	Km. Neelam Rattan	Hdgrs. Office, Kanpur/8-8-77 (F.N.)
		I.D.O. Meerut/11-8-77 (F.N.)
2.	Km. Vijai Laxmi Sharma	I.D.O. Kanpur-1/8-8-77 (F.N.)
3.	Shri H. O. Tewari	I.D.O. Kanpur-II/10-8-77 (F.N.)
4.	Shri Ashok Kapur	I.D.O. Ghaziabad-I divn./6-8-77 (A.N.)
5.	Shri Rahul Goel	I.D.O. Aligarh/8-8-77 (F.N.)

K. P. ANAND  
Collector,  
Central Excise, Kanpur.

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : NAGPUR

Nagpur, the 2nd February 1978

No. 2/78:—Consequent upon their promotion as Superintendents of Central Excise, Group 'B', the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendents of Central Excise, Group 'B' as shown against their names:—

S.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	N. N. Nandanwar	Supdt. C. Ex. MOR-II, Nagpur.	17-1-1978 (F.N.)
2.	S. M. Patil	Supdt. C. Ex. Ranges Ballarpur.	16-1-1978 (F.N.)

No. 3/78.—Consequent upon his promotion as Chief Accounts Officer Central Excise, Shri G. T. Chiplunkar, lately posted as Administrative Officer, Central Excise Division, Ujjain has assumed the charge of Chief Accounts Officer, Central Excise, Nagpur in the afternoon of 29-11-1977, relieving Shri R. S. Berar, Chief Accounts Officer.

No. 4/78.—Consequent upon his posting as Pay Accounts Officer, Central Excise, Nagpur, Shri R. S. Berar, lately posted as Chief Accounts Officer, Central Excise, Nagpur has assumed the charge of Pay & Accounts Officer, Central Excise, Nagpur in the forenoon of 30-11-1977 relieving Shri M. T. Wachasunder, Pay and Accounts Officer who has been transferred to Goa Collectorate vide Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's F. No. A. 22013/28(M)/77-CERC(ADM) dated 30-9-1977.

M. S. BINDRA  
Collector.

## DIRECTORATE OF INSPECTION &amp; AUDIT

CUSTOMS &amp; CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th February 1978

No. 6/78.—Shri M. M. Mathur, Inspector of Central Excise of Kanpur Collectorate, presently on deputation to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Ex-

cise, on his promotion as Superintendent Central Excise Group 'B' vide Central Excise Collectorate, Allahabad, Estt. Order No. 5/1978 dated 10-1-78 is appointed as Inspecting Officer (Cus. & CE) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi with effect from 17-1-1978 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN  
Director of Inspection & Audit.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the December 1977

No. 33/12/73-ECIX:—The President is pleased to appoint the following candidates nominated by the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P. W. D. on a pay of Rs. 1100/- p. m. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (Plus usual allowances) with effect from the dates noted against each on usual terms and conditions.

2. These officers are placed on probation for a period of two years with effect from the dates noted against each:—

Name	Date of appointment	Where posted at Architects
S/Shri		
1. Dipakranjan Sen	1-12-77 (F.N.)	SA (NZ) X, Office of the CE (NZ) R. K. Puram, New Delhi.
2. M. V. Korgaonkar	19-11-77 F.N.	SA, NDZ-III, New Delhi.
3. A. W. Paunikar	23-11-77 F.N.	SA, H&TP-II, New Delhi.
4. V. H. Kamble	28-11-77 F.N.	SA, NDZ-III, N. Delhi.

3. On appointment as Architect, these officials have been posted in the units noted against their names above.

The 4th February 1978

No. 33/7/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri M. J. Waghmare, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 plus usual allowances with effect from 10-1-78 FN on the usual terms and conditions.

2. Shri Waghmare is placed on probation for period of two years with effect from 10-1-78 FN.

D. P. OHRI  
Deputy Director of Administration

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

NEW DELHI-110022.

No. 6/3/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Sh. T. R. Oberoi, Supervisor to the grade of EAD/A.E. of the Central Power Engineering (Class II) Service in an officiating capacity, with effect from 3-12-1977(A.N.), until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS  
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 3rd February 1978

No. 78/RE/161/1.—It is notified for information of General public that in connection with introduction of 25 kV A. C. Electric traction, Height Gauges have been erected at

all the level crossings in the section Bitragunta (Inclusive) to Chirala (Inclusive) of South Central Railway with a clear height of 15'-4" (4.67 m) above road level with a view to prevent loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity to live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the Height Gauges under any circumstances.

The dangers of a load of excessive height are as follows :—

- (i) Danger to the height gauge and consequent obstruction to the road as well as the railway line;
- (ii) Danger to the materials or equipment carried on the vehicle itself;
- (iii) Danger of fire and risk of life due to the contact with or dangerous proximity to the live conductors.

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Over-head traction wires will be energised on 2.2 kV on or after 15-2-1978 in the following sections in stages where the works are in progress :

- (1) Ongole to Bitragunta—  
(Structure Nos. 292/5-6 to 211/13-14).
- (2) Chirala to Ongole—  
(Structure Nos. 341/31-32 to 292/5-6).

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

B. MOHANTY  
Secretary, Railway Board.

N. F. RAILWAY

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Pudu, the 30th January 1978

No. E/55/III/96/PII(0).—Shri K. L. Agarwal who was appointed as a probationer in the Electrical Engineering Department is confirmed as Assistant Electrical Engineer in the Junior Scale with effect from 31-12-77.

M. N. N. MOORTHY.  
General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
TAMILNADU, MADRAS.

Madras-600006, the 13th February 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Nellai Venus Limited (In Liquidation)*

No. 1919/5.560(5)/Lgn/75.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956, that the name of Nellai Venus Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. ANNAPURAM  
Registrar of Companies.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Kalinga Industries Limited.*

Cuttack, the 3rd February 1978

No. L.142/6208.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 24-2-76 in Company Act case No. 2 of 1975 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Chalachitra Distributors Private Limited.,*

Cuttack, the 3rd February 1978

No. S. 0/414-6210.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Chalachitra Distributors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Deluxe Curios Pvt. Ltd.*

Delhi, the 2nd February 1978

No. Co. Lgn/4862/235.—By an order dated the 19-10-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi/M/s Deluxe Curios Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Abhinav Rasashala Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 5643/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Abhinav Rasashala Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Underwriters Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 3112/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Under Writers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Harijas Saving & Chit Fund Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 15612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Harijas Saving & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Rupmahal Theatres Private Limited.*

Shillong, the 4th February 1978

No. 1113/560/3816.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Rupmahal Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. P. KAPOOR  
Registrar of Companies,  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bansdroni Land Development Company Limited.

West Bengal, the 6th February 1978

No. 26931/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bansdroni Land Development Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH

Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE  
TRIBUNAL

Bombay-20, the 27th January 1978

No. F.48-Ad(AT)/77-Part-II.—In partial modification of this office Notification of even number, dated 8th November, 1977, the resignation of Shri R. D. Yadvendu, officiating Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore is accepted with effect from the afternoon of 18th June, 1976.

The 4th February 1978

No. F.48-Ad(AT)/77-P.II.—On reaching the age of superannuation, Shri R. C. Srivastava, Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay

retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

P. D. MATHUR  
President.

KARYALAYA, AAYAKAR AYUKTA, BIHAR, PATNA

Patna, the 13th December 1977

F. No. GC-2-II-3/1974.—The Charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur is hereby abolished with effect from the date Shri D. Kujur relinquishes the same and takes over charge of Income-tax Officer, Ward-'C', Bhagalpur.

F. No. GC-2-II-3/74.—In partial modification of this office order No. ACIT/GL.VIII-14/71-72, dated the 24th Feb. '73 and even number dated the 6th Sept. '74 and No. GC-2-II-3/74, dated 28th July 1977, and consequential to abolition of charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur it is hereby directed that the Tax Recovery Officer-II, Patna shall also hold jurisdiction over the cases of the District of Bhagalpur, Santhal Parganas, Monghyr and Begusarai with effect from the date of the charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur stands abolished.

A. K. DAS GUPTA  
Commissioner of Income-tax,  
Bihar-I & II, Patna.

OFFICE OF THE  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February, 1978

Subject:—Establishment—Gazetted—Promotions—Postings and Transfers of Income-tax Officers.

ORDER No. 125/GO/1977-78.—Shri S. L. Bahl, Inspector is promoted to officiate as Income-tax Officer (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200, with effect from the date he takes over as such and until further orders.

This promotion is being made against the temporary vacancy caused by the suspension of Shri C. L. Soni, but is subject to final orders of the Delhi High Court in C.M.P. 652-W of 1977 in C.W.P. 341 of 1977 pending before the Court.

It is clarified that in the event of return to duty on reinstatement of the Officer concerned, the promoted Officer will have to revert to the post of Inspector, if there is no other regular vacancy at that time.

Consequent upon his promotion the following postings and transfers of Income-tax Officers are ordered with immediate effect:—

Sl. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
	SVS.			
1.	S. L. Bahl	On Promotion.	Services placed at the disposal of C. I. T. (III), vice Sh. A. C. Sethi. Transferred.	
2.	A. C. Sethi	I.T.O.V. (15) Addl. N. Delhi.	Services placed at the disposal of C.I.T. (IV).	
3.	A. P. Jain	I.T.O. (O.S.D. II), N. Delhi.	Services placed at the disposal of C. I. T. (III) vice Sh. S.S. Rana transferred.	
4.	S. S. Rana	I.T.O. Distt. X(9), N. Delhi.	Jr. A.R.I.T.A.T. New Delhi. In terms of Board's order F. No. A.22013/3/77-Ad. VI., D/30-1-78.	

The posting of Shri Durgesh Shanker as Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, New Delhi, made vide Order No. 67/GO of 1977-78, issued under No. Est. I/Post-Transfer/I.T. Os/77-78/Vol. III/5316 dated the 26th August, 1977, is hereby cancelled.

K. N. BUTANI,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi I, New Delhi

Delhi-IV, the 31st January 1978

The 2nd February 1978

F.No. JUR/DLI/IV/77-78/42014.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT-IV New Delhi hereby directs that the ITO 5th Addl. Survey Circle III shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O. 1st Addl. Survey Circle III in respect of the person/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-IV also authorises the I.A.C. Range-III A to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 30-1-78.

F.No. JUR/DLI/IV/77-78/42134.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT IV New Delhi hereby directs that the I.T.O. 4th Addl. Survey Circle III shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O.s Survey Circle III, 2nd Addl. S. Circle III and 3rd Addl. Survey Circle III in respect of the person/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-IV also authorises the I.A.Cs. Range III B, III C and III D to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 30-1-78.

No. JUR-DLI/IV/77-78/4183.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall be created in Delhi-IV charge, New Delhi with effect from 31-1-78.

1. 5th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/77-78/42417:—In partial modification of this office Notifications F. No. JUR-DLI/IV/77-78/1476 dated 19-4-77 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income tax under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said schedule:—

#### SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Range-III-A, New Delhi.	(1) Distt. III(1), III(2), III(7), III (7) Addl. III (14) 1st Addl. III (30) III(32) & III (34), New Delhi. (2) Evacues Circle, New Delhi. (3) 1st Addl. Survey Circle-III, New Delhi. (4) 5th Addl. Survey Circle- III, New Delhi. (5) Also cases of the District Circles of this charge already assigned to the Inspecting Assistant Commissioner u/s 125, of the Act.

This notification shall take effect from 31-1-78.

A. J. RANA  
Commissioner of Income-tax  
Delhi-IV, New Delhi

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 202/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 situated at Badhirkhanda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Hyderabad. Represented by its partner Sri Moolchand.

(Transferee)

(2) 1. Sri Daulat Ram Chandanmal, H. No. 5-9-24/70 at Chandan Village, Lake Hill Road, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 1 situated at Bashir Bagh, Hyderabad in premises No. 5-19-30/1 admeasuring 377 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1638/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Ltd. Secunderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishendas, Jagatram, H. No. 21-7-84/2 Ghansibazar, Hyderabad-2.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 203/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Bashirbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 8 in the premises No. 5-9-30/1 and situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 318 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1639/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

13—476GL/77

Date : 4-2-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad. Represented by its President Sri Moolchand, Secunderabad.  
(Transferor)

(2) Sri Srichand S/o Ramchand, H. No. 21-2-1982/6  
High Court Road, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No 204/77-78.—Whereas, I K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 10 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 326 Sq. Yds. plot No. 10 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1640/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-2-1978,

Seal:

## FORM ITNS

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bansilal S/o Ramchand, H. No. 21-1-982/6 at High Court, Road, Hyderabad.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 205/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 11 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 286 Sq. Mts., registered vide Doc. No. 1641/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-2-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

(2) Sri Baliram S/o Khiyaram, H. No. 1091/5 at Venkateswara Colony, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 4th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No 206/77-78.—Whereas, 1 K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12 situated at Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot No. 12 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1642/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-2-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 207/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15 situated at Bashirbagh, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative  
Society, Ltd., Secunderabad. Represented by its  
President Sri Moolchand, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Prakashchand S/o Purshottamdas, H. No. 21-1-  
650 at Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 15 in the premises No. 5-9-30/1  
at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 325 Sq. Mts. registered  
vide Doc. No. 1643/77 with the Joint Sub-Registrar  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-2-1978.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 208/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta W/o Arjandas Samtani, H. No. 3-6-547/ 5/2 Umayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot No. 13 in premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 432 Sq. Mts, registered vide Doc. No. 1644/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref No RAC No. 209/77-78—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Waliram Dayaram, H. No. 5-3-844/7/D at Malakunta Hyderabad. Prop Hotel Imperial, at Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land No. 5 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 281 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1740/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Vishnu Wadhumal Shahani, S/o Wadhumal, Contractor, "Poonam Nivas, Next to Kala Bhavan, Saifabad, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 210/77-78.—Whereas, I. K. S. VFN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 on situated at 1-11-251/5 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sri Kantilal H. No. 55-Jecra, Secunderabad-3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

flat No. 8 on 2nd floor of H. No. 1-11-251/5 at Begumpet Secunderabad, registered vide Doc. No. 950/77 with the Sub-Regist. office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Vishnu Wadhumal Shahani, S/o Wadhumal, Contractor, "Poonam Nivas, at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Avutapally Kamala, W/o A. Venkataratnam, H. No. 18-1-290 at Bhuvani Nagar, Tirupathi, A.P.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 211/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4 on situated at 1-4-251/5 Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor in the H. No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 977/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-2-1978.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
14—476GI/77

## FORM ITNS

(1) Sri Vishnu Wadhumal Shahani, S/o Wadhumal, Contractor, "Poonam Nivas" at Somajiguda, Hyderabad.

(2) Sri K. S. R. Moorthy, C/o Sri K. K. Rao, plot No. 19 Dilsuk Nagar Colony-5, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 212/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 on situated at G.F. of 1-11-251/5 Begumpet, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 1-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor of House No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. P. 656/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Vishnu Wadhmal Shahani, Contractor, "Poonam Nivas, Somajiguda Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 213/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7 on situated at 2nd floor of 1-11-25/5 Begumpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Tara Ben, W/o Kaku Bhai Thakker, H. No. 34 at Satyanarayanaapuram, Hyderabad, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 2nd floor in H. No. 1-11-251/5 at Bengunpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. P. 657/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 214/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Port. Plot 32 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri V. L. Narasimha Rao, H. No. 3-6-750/D Himayatnagar Hyderabad.  
2. Shri V. P. Bharadwaja, H. No. 3-6-750/D Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Mote Venkataiah, S/o Laxmiah, H. No. 14-3-45, Goshal Mahal, Hyderabad.  
2. Balki Mallesha, S/o B. Malliah H. No. 1-3-1062/5 Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western portion of plot No. 32 at Sri Venkateshwara Housing Society Colony, Narayanguda, Hyderabad admeasuring 223-3 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1516/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-2-1978.

Seal:

## FORM ITNS —

(1) Sri V. L. Narasimha Rao and V. P. Bharadwaju,  
H. No. 3-6-750/D at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 215/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Portion of Plot No. 32 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Mote Venkatiah, S/o Luxmiah, H. No. 14-3-45 at Goshamal, Hyderabad.  
2. Shri Balki Mallesha, H. No. 1-3-1062/5 at Kavdiguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 32 at Eastern portion situated at Sri Venkateshvara Housing Society Colony, Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1517/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 2nd February 1978

C.R. No. 62/10472/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property /having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing Nos. 8 and 9, Walton Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 623/77-78 on 9-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Thelma Fernandes  
W/o Major M.A. Fernandes  
No. 9, Walton Road, Bangalore.  
2. Dr. Michal Vincent Fernandes,  
S/o M. A. Fernandes  
No. 9, Walton Road, Bangalore,  
present residing in the United States and  
rep. by his duly constituted attorney  
Mr. George Da Costa, Advocate C/o  
M/S. D. A. Costa and Da Costa,  
31/1, M. G. Road Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) The Alphonsian society,  
rep. by its president, The very Rev.  
Bernard Pereira, C.S.S.R. C/o  
M/s Da Costa and Da Costa,  
31/1, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

[Registered Doc. No. 623/77-78 Dated 9-6-77]  
Property bearing Nos. 8 and 9, Walton Road, Bangalore

## Boundaries :—

N. Neighbour's property.  
S. Neighbour's property.  
E. Walton Road and  
W. Conservancy lane.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-2-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 2nd February 1978

C.R. No. 62/10536/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing Corp. Nos. 4 & 5 situated at Longford Gardens, Longford Town, Bangalore (Corp. Dn. No. 60) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, B'lore, Doc. No. 646/77-78 on 10-6-77. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati G. Ratnavalli Ammal, W/o Mr. P. S. Gopalakrishna, No. 6, Brunton Road Civil Station, Bangalore-560025, and also R/o "Krishna", Thyagarajan Road, Madras-600017.

(Transferor)

(2) Shri Anandpur Trust, Regd. Office at Shri Anandpur, Tehsil Ashoknagar, Guna Dist. (M.P.), Rep. by its Trustee & General P.A. Holder Shri Vavialdas, S/o Uttamchand Chawla, R/o Shri Anandpur Camp, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 646/77-78. Dated 10-6-77]

Property bearing Nos. 4 & 5, Longford Gardens, Longford Town, Bangalore (Corp. Dn. No. 60)

## Boundaries :

North : Premises No. 3A.  
South : Premises No. 6  
East : Private property &  
West : Longford Garden Road.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-2-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 3rd February 1978

C.R. No. 62/11166/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 780-2B, TS. No. 708-2B, Kissam Garden, Northern A. C. portion, Extent O 37 together with a building bearing Municipal Door Nos. 17-17-1334, 1334-A and 1334-B, situated at Falmir ward, Attawar village, Mangalore town, S.K. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head quarter Sub Registrar, Mangalore City 232/77-78 on 21-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri Michael Cyril Fredric Mascarenhas  
S/o late Albert Mascarenhas, Engineer,  
Sturrock Road, Falmir, Mangalore Town, rep. by  
Dr. Joseph R. Pais S/o late Shi E. A. Pais,  
Babsevern, Balamutta, Mangalore town.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunanda B. Kamath, W/o  
Shri Balakrishna R. Kamath,  
No. 17-17-1334, Falmir, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

R. S. No. 780-2B, TS. No. 708-2B, Kissam Garden, Northern A. C. Portion Extent O 37 together with a building bearing Municipal Door Nos. 17-17-1334, 1334-A, and 1334-B, situated at 17th Falmir ward, Attawar village, Mangalore S.K. Dist.

*Boundaries :*

N. : Road.

W. : Survey line.

South and East : Portions of the same S. No.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri C. M. Kallepulla Khan,  
No. 10, Berlie Street Cross,  
Longford Town, Bangalore-25,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ethel Ellen Ramu,  
W/o Dr. M. Ramu,  
No. 2, Cornwell Road,  
Longford Town, Bangalore-25,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

(3) M/s. Raptakas Brett & Co. Ltd.  
2/1A, Medical College East Main Road,  
Kalasipalayam,  
Bangalore-2.

(Person in occupation of the property)

Bangalore-27, the 2nd February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/11376/77-78/ACQ/B.—Whereas, I,  
J. S. RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Property bearing Corporation No. 2/1A,  
situated at Medical College East Main Road, Kalasipalayam,  
Bangalore-2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bangalore, Doc. No. 688/77-78 on 30-6-77  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

15—47 6GI/77

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 668/77-78 dated 30-6-77].  
Property bearing Corporation No. 2/1A, Medical College  
East Main Road, Kalasipalayam, Bangalore-2.

## Boundaries :

East : Property bearing to Sri C. M. Alimulla Khan,  
and others.

West : Property belonging to Sri C. M. Abdul Rahman  
Khan.

North : N. S. Motor Service Shed and  
South : Private Road.

J. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 2-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Pirthi Ram S/o  
Sh. Anant Ram,  
Sh. Tek Chand S/o Sh. Pirthi Ram  
C/o M/s Ravindra General Store,  
New Bus Stand,  
V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad.

(Transferor)

(2) S/Sh. Rajiv Kumar, Arvind Kumar,  
S/o Sh. Mohan Lal, Smt. Mithla Rani W/o  
Sh. Mohan Lal  
C/o M/s Satia Rice Mills,  
Ratia, Tehsil Fatehbad.  
V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK.

Rohtak, the 6th February 1978

Ref. No. FTB/5/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 22 Kanal 6 Marla situated at Vill. Ratia, Tehsil Fateh Bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Fateh Bad in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 22 Kanal 7 Marla situated at Village Ratia, Tehsil Fatehbad.

(Property as mentioned in sale deed No. 572 dated 19.5.77 registered in the office of Registering Authority, Fatehbad).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 5-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Sh Dharm Paul, Lachhman Dass  
 S/o Sh Pirthi Ram,  
 C/o M/s Ravindra General Store,  
 New Bus Stand,  
 V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad

(Transferor)

(2) M/s Rajiv Enterprises,  
 Cotton Ginning, Pressing and General Mills, Ratia  
 V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad  
 C/o M/s Satia Rice Mills,  
 Ratia, Tehsil Fatehbad

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 6th February 1978

Ref No FTB/6/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land measuring 22 Kanal and 7 Marla situated at Vill. Ratia, Tehsil Fatehbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehbad in May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 22 Kanal 6 Marla situated at Village Ratia, Tehsil Fatehbad

(Property as mentioned in sale deed No 570 dated 19.5.77 registered in the office of Registering Authority, Fatehbad).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
 Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Rohtak

Date 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sreedevi Kovilamma.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri V. N. Yousuf (ii) V. N. Usman  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Cochin-682016, the 6th February 1978

Ref. L.C. No. 168/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule  
situated at Calicut Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chalapuram on 10-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

5.35 cents of land and shop cum lodge building bearing No. 13/368 to 13/374 and 13/392, Palayam Road, Calicut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1978.  
Seal.

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s Digavi Patil & Co.,  
Commission Agents,  
A.P.M.C. Yard, Bijapur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 204/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1134/50,  
situated at Third Ward, Bijapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bijapur, under Document No. 792/77-78 on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
DHARWAR.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s. Digavi Patil & Co.,  
Commission Agents,  
A.P.M.C. Yard, Bijapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4.

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 205/77-78/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1134/50,

situated at Third Ward, Bijapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bijapur under Document No. 793 on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
DHARWAR.

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
DHARWAR-4.

(2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s. Digavi Patil & Co.,  
Commission Agents,  
A.P.M.C. Yard, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 206/77-78/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1134/50,  
situated at Third Ward, Bijapur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur under Document No. 794 on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
DHARWAR.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Danvir R. B. Rajya Bhushan Seth Trilok Chand Kalyanmal Digambar Jain Parmarthik Sansthan (Trust),  
47, Sitalamata Bazar, Indore-2.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kanank Mall S/o Shri Sobhagmalji  
(2) Smt. Badamibai w/o Shri Kanakmalji Shinghvi  
Both r/o 14, Morasali Gali, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/77-78/920.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 58 (old and New M. No. 377) Gora Kund M. G. Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 58 (Old and New M. No. 377) Gora Kund, M. G. Road, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/921/—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4/6, Palasia Street No. 2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (i) Shri Ram Narain Nagu  
S/o Shri Ultam Narain Nagu  
(ii) Smt. Urmila Devi Nagu  
W/o Shri Ram Narain Nagu  
(iii) Shri Raman Nagu  
(iv) Shri Rajesh Nagu  
(v) Shri Rakesh Nagu,  
All sons of Shri Ram Narain Nagu,  
All 1/o (Gulnar Shmala Hills, Bhopal).  
(Transferor)

(2) Smt. Kusum Devi Agarwal  
W/o Shri B. K. Agarwal  
R/o 158, Saket Nagar, Indore (M.P.)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4/6, Palasia Street No. 2, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—476GI/77

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

S/Shri  
 (1) (i) Motilal  
 (ii) Niranganlal  
 (iii) Ramgopal  
 (iv) Ramkishan  
 (v) Maheshprasad  
 All sons of Shri Pokharmal Agrawal  
 All r/o Khargaon.

(Transferor)

(2) S/Shri Mangilal  
 (ii) Onkar s/o Shri Gangaram Gujrati  
 R/o Vill. Ghegava Distt. Khargaon.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 BHOPAL.

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/925/—Whereas, I,  
 R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An open land P.H. No. 36 Block No. 7 Group No. 2 Sanabad Road, Tagore Park Colony situated at Khargaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargaon on 16-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open land P.H. No. 36, Block 7 Grup No. 2 Sanabad Road, (Tagore Park Colony) Khargaon.

R. K. BALI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Mahendra Kumar s/o Shri Dharamdasji  
R/o 16/1, South Tukor Ganj, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Haidwarilal Sharma  
s/o Shri Gopalram Sharma  
R/o c/o Vinno Peters Industrial Estate,  
Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/922.—Whereas, I,  
R. K. BALI  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

House constructed on Plot No. E-1/55 Arera Colony,  
Bhopal situated at Bhopal  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on 8-6-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. E-1/55 Arera Colony,  
Bhopal.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/924/—Whereas, I,  
**R. K. BALI**  
 being the Competent Authority  
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),  
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443 M-House No. 14 St. No. 7 North Raj Mohalla (Part), Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand both sons of Shri Sirumalji R/o 14, North Raj Mohalla Street No. 7, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkadas Jammadas Neema t/o r/o 396, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Block No. 443 M-House No. 14 St No. 7 North Raj Mohalla (Part), Indore.

**R. K. BALI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/926/—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443, M.H. No. 14, Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore (Part), situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand both sons of Shri Sirumal R/o 14, North Raj Mohalla Indore.

(Transferor)

(2) Shri Navnitlal Harikishan Neema, R/o Junikasera Bakhali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Block No. 443, M. H. No. 14 Street No. 7 North Raj Mohalla, (Part), Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/77-78/BPL/927/—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443, M.H. No. 14, Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore (Pait) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
Both sons of Shri Sirumalji  
R/o 14, North Raj Mohalla,  
Indore.

(2) Shri Shyam and Madhurmanohar,  
S/o Shri Dwarkadas Neema,  
R/o 396, M.G. Road,  
Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 443, M. H. No. 14 Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
Both sons of Shri Sirumalji  
R/o 14, North Raj Mohalla  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gulab Chand Harikishan Necma,  
R/o 8 Junikasera Bakhali,  
Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/928/—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443, M.H. No. 7 North Raj Mohalla, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Block No. 443, M.H. No. 7 Raj Mohalla, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Bhai s/o Shri Sakharam Chaudhari,  
R/o Vd. Jam Sabir Tahsil Sausar,  
Distt. Chhindwara.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Shri Damodar s/o Shri Bihailalji Vyas,  
R/o P.O. Berdih Tahsil Sausar,  
Distt. Chhindwara.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land total area 2.509 Hectare K. H. No. 233 bearing No. 386 situated at Gram Sambre Tahsil Sausar Distt. Chhindwara.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Amrit Lal s/o Shri Chhaganlal Sanchania,  
R/o 45, Vallaon Nagar,  
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gauri Shankar s/o Shri Gopilalji Sharma,  
R/o 112/2 Restore Road,  
Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/919/—Whereas, I,  
R. K. BALI  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Plot No. 162 situated at Kanchan Bag Main Road, Indore  
situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Sausar on 4-7-1977  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 152 situated at Kanchan Bag Main Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

17- 476GI/77

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/929/—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open Plot No. 6-A (Part) at Meerapath, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Bhimdevrao Martandrao Bhagwat,  
(ii) Smt. Kumudni,  
(iii) Kiran,  
(iv) Ku. Gurubala,  
All r/o 12 Meerapath, Indore.

(Transferor)

(2) Shrimati Sobhnadevi w/o Devendrakumar Jain,  
R/o 4/5m Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open Plot No. 6-A (Part) at Meerapath, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwati Bai w/o Late Shri Gaurishankar  
R/o 150, Jagdish Bhawan Smarak Path Lord Ganj,  
Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Vishanlal Chokshe  
R/o Khapa Distt. Jabalpur.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/930/—Whereas, I,  
R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House No. 1682, Plot No. 125 situated at Right Town Gole Bazar, Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House No. 1682, Plot No. 125 situated at Right Town, Gole Bazar, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sakkar Bai Farishta  
W/o Late Rajabali Farishta,  
R/o Beran Bazar, Raipur (M.P.).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/931/—Whereas, I, R. K. BALI being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building and its land occupied by M/s. Vinar Restaurant situated Near P. N. Bank, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 16-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (1) S/Shri Chhotelal Rathore  
(2) Makhanlal Rathore  
Both sons of Shri Munnalal Rathore  
(3) Mukundlal Rathore  
(4) Chandraprakash Rathore  
Both sons of Shri Chhotelal Rathore  
(5) Suresh Chandra Rathore  
S/o Makhanlal Rathore  
All r/o Rathore Chouk, Chouk, Raipur.

(Transferee)

(3) M/s. Vinar Restaurant &amp; Bar, Raipur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building and its land area 1084 sq. ft occupied by M/s. Vinar Restaurant situated near Punjab National Bank, Raipur.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Phauja Singh S/o Suchcha Singh, Avtar Singh and Bhagat Singh S/o Hazara Singh, Sarjeet Singh and Ajmer Singh S/o Phauja Singh, Hazara Singh S/o Khusal Singh, R/o V. & P. Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1031-A/S PUR/77-78 7486.—Whereas, I R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEUDLE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Harbans Singh, Kulwant Singh, Nirmal Singh and Jarnail Singh, S/o Darshan Singh, R/o P. & P. Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEUDLE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of land measuring 36 Bighas 9 Biswa and 5 Biswansi comprised in Khasra Nos. 341 and 465, situated at Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Distt. Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 35,500/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sarla Walia W/o V. J. Singh  
R/o Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Samlon Dalma Rakra  
W/o T. Theem Rampokey Rakra  
R/o Leh Laddakh (J&K).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. ACQ/1039-A/D.DUN/77-78/7487.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 13-9-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring approx. 1 Bibha with 3 Cottages situated about 3 Km. away from Rajpur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harsukhrai Navnidhrai Kamdar  
S/o Navnidhrai Tribhuwandas Kamdar,  
R/o 78/279, Latouche Road,  
Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1202-A/Kanpur/77-78/7488.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harsukhrai Navnidhrai Kamdar  
S/o Navnidhrai Tribhuwandas Kamdar,  
R/o 78/279, Latouche Road,  
Kanpur.

(2) Smt. Rama Devi W/o Bhagwan Deen Bajpai,  
Smt. Rama Devi W/o Suresh Kumar Bajpai,  
Anil Kumar Bajpai, Pramod Kumar, Pradip Kumar  
and Vinod Kumar sons of Bhagwandin Bajpai,  
R/o Rura, Parg. Akbarpur, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No. 78/279, Latouche Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1030-A/Saharanpur/77-78/7498.—  
Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 22-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Phauja Singh S/o Suchcha Singh, Avtar Singh and Bhagat Singh S/o Hazara Singh, R/o V. & P. Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, District Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Karnail Singh, Kuldeep Singh and Avtar Singh sons of Darshan Singh, V. & P. Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2/3rd of 45 Bighas comprised in Khasra Nos. 342 and 343 situated at Village Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,250/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(f) Shri Panna S/o Ram Prasad,  
R/o Hardevpur Sahdevpur  
Urf. Rani Majra, Post Shahpur Seetla Khera  
Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee,  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S/Shri Rubraj Singh, Devraj Singh, Deshraj  
Singh and Puspraj Singh,  
Sons of Inder Singh,  
R/o V&P Shahpur Seetla Khera, Parg. Jwalapur,  
Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1033-A/Saharanpur/77-78/7510.—Whereas, I. R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 28-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—476 GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 16 Bigha 19 Biswa and 4 Biswansi in Khasra Nos. 291, 316, 373, 375, and 376 situated at Haridwar, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Shri Sewaram, Ilam Singh, Incharam, Kanwarpal alias Kanwar Singh sons of Ghaseeta Singh, R/o Dhadheki Dhana Majahadpur, P.O. Laksar Parg. Mangalore, Distt. Saharanpur (Roorkee).

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldeep Singh, Harjeet Singh, Amardev Singh, Tej Pratap Singh, Gurnam Singh, Pyara Singh, R/o Laksar Station, P.O. Laksar, Parg. Mangalore, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1464-A/Saharanpur/77-78/7511.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 16-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 21 Bigha 6 Biswa comprised in Khata Nos. 137, 280, 501, 502, 503/1, 507/2 and 502/2, situated in Village Akbarpur, Parg. Jwala-pur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 64,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 31st December 1977

Ref. No. Acq/899-A/G.Bad/77-78/6526.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Dayal Chand S/o Nemraj, Om Prakash S/o Kewal Ram, R/o Prempuri, Ghaziabad Ram Chand S/o Raimal Das R/o 56, Prempuri Ghaziabad Mukhtiarum Smt. Ram Kali Pandey W/o Late Jamna Prasad Pandey and Smt. Prabha Sukhla W/o Jagat Narain Shukla and Ram Kumar Pandey and Vijai Kumar Pandey S/o Jamna Prasad Pandey, R/o 111/36, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. N. C. Products, 8229/6, Aarakasha Road, Paharganj, New Delhi-55, Through Sri Surendra Kumar Nijhawan, Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, situated at Anand Industrial Estate, G. T. Road, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shekh Shafiuuddin Sabri  
S/o Shekh Rafiuddin,  
Lal Kurti, Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) Navzug Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd.  
Through Sri Gautam Sharma,  
President S/o Tara chand Sharma,  
R/o Brahmipuri, Meerut.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st December 1977

Ref. No. 1005-A/Acq/MRT/77-78/6528.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 27-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Plot of land measuring 16 Biswa situated at Near Prahlad Nagar Opp. Saket Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 72,600/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ram Pyari wife of Ramdittamal,  
10/4, Gandhi Colony,  
Muzaffarnagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Jupiter Paint & Chemical Industry,  
Nai Mandi Muzaffarnagar  
Through Shri Chaman Lal, Prop.  
R/o 8-B/9 andhi Colony,  
Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/771-A/M. Nagar/77-78/6525.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 93, Gher Khatti, situated at Nai Mandi Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

## THE SCHEDULE

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 547.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Guntur on 21-7-77  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reasons to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Unnam Vidya Sagar,  
S/o Rajarao, (Retd. Sub-Post Master),  
Duggirala, Tenali Tq.  
(Transferor)

(2) Shri Syed Ali,  
S/o Akbar Saheb,  
Pr. in M/s. Standard Mechanical Sales,  
Opp. R.T.C. Bus Stand,  
Guntur-522001.  
(Transferee)

(3) Shri Sheik Peru Saheb,  
Guntur.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay under the said Act, in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.  
3676/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during  
the fortnight ended on 31-7-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th February 1978

Ref. No. JAC/Acq.I/SR.III/64/June-I(11)/77-78/5543.  
—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N-122 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 9-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kundan Lal Basra,  
S/o Shri Mulkh Raj Basra,  
R/o II, No. 8, Block No. 48, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Chander Arora,  
S/o Late Shri Thakar Dass Arora and  
Smt. Prem Lata Arora,  
W/o Shri Krishan Chander Arora,  
R/o C-1, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building constructed on a plot No. 122, Block No. 'N' measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi and bonded as under :—

East : House No. 124

West : House No. 120

North : Service Lane

South : Road

J. S. GILL.

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sardar Lal Khanna,  
S/o Shri Shyam Dass Khanna,  
R/o 11/3874, Gali Neemwali, Darya Ganj,  
Delhi,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

(2) Shri J. C. George,  
S/o Shri C. O. George and  
Smt. Celine,  
W/o Shri J. C. George,  
C/o World Health Organisation,  
Inderprastha Estate,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 9th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/70/June-II(7)/77-78/  
5543.—Whereas, I, J. S. GILL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
N-199 situated at Greater Kailash, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 21-6-1977,  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed house built on Plot No. 199,  
Block No. 'N' measuring 300 sq. yds. in the residential  
colony known as Greater Kailash, New Delhi and bounded  
as under :—

East : Plot No. N-210  
West : Plot No. N/197-A  
North : Road  
South : Service Lane

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 9-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP93/BD/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Manu Chahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—476 GI/77

(1) Smt. Harbans Kaur d/o Sh. Santokh Wd/o Sh. Jarmej Singh, R/o Village Manu Chahal, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh, Shri Darbara Singh Ss./o Shri Sohan Singh, R/o Village Manu Chahal, Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 71 Kanal 10 Marlas in village Manu Chahal, Teh. Zira as mentioned in sale deed No. 1688 of June, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 94/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Majahadpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parjit Singh s/o Shri Santa Singh, R/o Village Majahadpur, Teh. and Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Singh s/o Shri Kala Singh and S/Shri Jagir Singh, Mohinder Singh, Joginder Singh s/o Shri Bhola Singh, R/o Village Majahadpur (Kapurthala).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals in village Majahadpur as mentioned in sale deed No. 845 of June, 1977 registered with the S. R. Kapurthala.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHALINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 95/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Sawan Mal Memorial Trust, Zira, Distt. Ferozepur through Shri Jagdish Rai Urf Ram Nath, President and Shri Tarsem Lal s/o Shri Charan Dass, Member, Trust, Zira.

(Transferor)

(2) S/Shri Sat Pal, Subash Chander, Ram Saroop, Ashok Kumar, Vijay Kumar Ss/o Shri Gian Chand s/o Shri Thandi Ram, R/o Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanal and 16 Marlas in village Zira as per sale deed No. 1002 of June, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date . 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, Shri Jagir Singh,  
S/o Shri Sucha Singh,  
R/o Mehla Khurd, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) S/Shri Surjit Singh, Sh. Mall Singh,  
S/o Shri Pirthi Singh,  
Village Mudki, Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 96/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Mudki (Ferozepur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 110 Kanal 6 marlas in village Mudki, Teh. Ferozepur as per sale deed No. 1205 of June, 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Balwant Singh, Shri Kehar Singh etc.  
Ss/o Shri Inder Singh,  
R/o Village Jarjpur, Teh. Sultanpur.

(Transferor)

(2) Shri Subash Chander, Shri Rattan Chand,  
Shri Niranjan Dev,  
Village Jarjpur, Teh. Sultanpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 97/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Merrypur Jnipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 159 Kanals situated in Village Merrypur Jarjpur as mentioned in sale deed No. 674 of July, 1977 registered with the S. R. Sultanpur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1978

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Smt. Maya Devi wd/o Shri Rokhu Ram,  
S/o Shri Daula Ram,  
2. Shri Kashmiri Lal s/o Shri Reku Ram,  
R/o Gali No. 15, Mandi Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 98/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Dungar Chand s/o Shri Bugha Mal, C/o M/s. Banwari Lal Bhoj Ram, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

3/4th share in a house measuring 170 sq. yards 8 sq. ft. in street No. 6, Mandi Abohar as mentioned in sale deed No. 1194 of August, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 99/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Khuban (Fazilka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Tara Chand s/o Shri Narain Dass,  
S/o Nadar Chand,  
R/o Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Munshi Ram,  
Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanal and 5 marlas in Village Khuba, Teh. Fazilka as per sale deed No. 1128 of August, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 100/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per schedule situated at Khuban (Fazilka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Chand s/o Shri Narain Dass,  
S/o Nadar Chand,  
R/o Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Munshi Ram.  
Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 6 marlas in village Khuban, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 1134 of August, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dwarka Das s/o Shri Chaupat Rai, s/o Shri Bura Ram, R/o Street No. 4, Nai Abadi, Mandi Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Smt. Mukhtiar Kaur,  
(2) Shri Pritpal Singh s/o Shri Balwant Singh S/o Shri Jati Singh, Street No. 4, Nai Abadi, Abohar,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot measuring 2000 sq. ft. in street No. 4, Nai Abadi, Abohar as per sale deed No. 1164 of August 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP/BTI/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Roop Chand, Shri Ram Kumar, Shri Raj Kumar, Shri Ram Nath ss/o Shri Girdhari Lal, S/o Shri Bhagat Ram, R/o Moga Mandi.

(Transferor)

(2) S/Shri Raj Kishan Subash Chander, Ss/o Shri Mala Ram C/o M/s. Mala Ram Raj Kishan, Shop No. 75, Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop measuring 4 marlas and 12 sq. ft. in Moga as mentioned in registered deed No. 5472 of November, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ahmadali Bakarali Tirmizi  
Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Fakruddin, Hassainali Tirmizi,  
Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1978

No. Acq. 23-I-1315(633)/1-I/77-78.—Whereas, I S. C. PARikh,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 4067-A of Shahpur Ward-II, situated at Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building bearing City Survey No. 4067-A of Ahmedabad City Survey Shahpur Ward-II, situated at Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad and described in sale-deed No. 4099/77 registered with Registering Officer, at Ahmedabad in the month of June, 1977.

S. C. PARikh  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

*Amendment to the Commission's Notice for the Combined Defence Services Examinations, May, 1978.*

No. F.8/9/77-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.8/9/77-E.I(B) dated 24th December, 1977 relating to the Combined Defence Services Examination, May, 1978, published in the Gazette of India dated 24th December, 1977, the following amendments shall be made in Part B of Appendix I.

(i) Second sub-para below sub-heading 'Geometry' in the detailed syllabus for the subject "ELEMENTARY MATHEMATICS" shall be deleted.

(ii) 'NOTE' below the detailed syllabus for the subject "MATHEMATICS (Code-03)" shall be amended to read as under :—

"From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer questions on any one of the three topics viz., (i) Mechanics; (ii) Astronomy and (iii) Statistics."

(iii) The following words shall be deleted from the first sentence to the 'NOTE' below the syllabus for the subject "INDIAN HISTORY (Code-09)" :—

"and be prepared to draw sketch maps."

B. S. JOLLY

Under Secy.

Union Public Service Commission